



विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल रणजी ट्रॉफी: स्टार खिलाड़ियों के साथ युवा जोश पर निगाहें... @ साहित्य केसरी कहीं रहा अब भरोसा... @ व्यापार सोना इस हफ्ते 1200 रुपए से अधिक महंगा हुआ...

खबर झरोखा
सोनम वांगचुक ने रिहाई नहीं होने पर अनशन की दी चेतावनी



नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने पर चिंता जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में अचोपित आपातकाल जैसी स्थिति पैदा हो गई है। वांगचुक ने कहा कि यदि हिरासत में लिए गए लोगों को रविवार तक रिहा नहीं किया गया, तो वह अनशन या पदयात्रा शुरू करने पर विचार करने के लिए मजबूर होंगे।

यूएन सुरक्षा परिषद की बैठक में रूस पर दबाव बढ़ने पर जोर

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद शुक्रवार को बुलाई गई आपात बैठक के दौरान यूक्रेन के विदेश मंत्री सिबिहा ने कहा कि रूस के विनाशकारी हमले लगातार जारी हैं। इन हमलों में एक हफ्ते में 100 नागरिकों ने अपनी जान गंवा दी। रूस लगातार हमारे एनजी सिस्टम पर हमले कर रहा है। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद यह आपात बैठक 7-8 अक्टूबर को रूस की ओर से किए गए।

सीजेपी का रविवार को फिर जंतर-मंतर कूच का एलान अजिंक्य शिंदे बोले- इस्तीफे तक नहीं रुकेगा आंदोलन

एजेंसी ■ नई दिल्ली
कॉकरोच जनता पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर अपना आंदोलन जारी रखने का एलान किया है।

शनिवार को पार्टी के प्रमुख नेताओं को हिरासत में लिए जाने के बाद आंदोलन की कमान संभाल रहे

अजिंक्य शिंदे ने कहा कि यह लंबी लड़ाई है और रविवार को भी पार्टी जंतर-मंतर की ओर कूच करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा।

यह सरकार के अस्तित्व की लड़ाई है - शनिवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में अजिंक्य शिंदे ने सरकार

पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, 'यह सरकार के अस्तित्व की लड़ाई है। अगर ज्ञानेश कुमार इस्तीफा देते हैं, तो सरकार जिस तरह से वोट चोरी करके चुनकर आई है, वह दोबारा नहीं जीत पाएगी।'

शिंदे ने आरोप लगाया कि यही वजह है कि सरकार ज्ञानेश कुमार



को बचाना चाहती है। उन्होंने दिल्ली में की गई पुलिस कार्रवाई और प्रदर्शन पर पारबंदियों को लेकर भी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जोड़ी केन्द्र सरकार पर निशाना साधा।

क्या आरोप - अजिंक्य शिंदे ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ने ज्ञानेश कुमार को मदद से वोट कटवाए और चुनाव जीते। उन्होंने कहा कि सीजेपी उन लोगों के मतदान जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, के अधिकार वापस दिलाने की मांग पार्टी प्रदर्शन करती रहेगी।

वोट काटकर चुनाव जीतने पर काटे गए हैं।

सीजेपी का प्रदर्शन, दिल्ली में करीब 1,000 लोग हिरासत में लिए गए

जंतर-मंतर नहीं पहुंच सके प्रदर्शनकारी, युवक का सिर फटा, दिपके ने हाथ जोड़े

एजेंसी ■ नई दिल्ली
मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे करीब 1,000 लोगों को शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी के अलग-अलग इलाकों में हिरासत में लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। दिल्ली की सीमाओं पर भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर तक



पहुंचने से रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने कई कदम उठाए हैं। इसी क्रम में भारतीय रेलवे ने नई दिल्ली पहुंचने वाली कई ट्रेनों को रद्द कर दिया और कुछ ट्रेनों के समय में बदलाव किया। वहीं,

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने 45 मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार बंद कर दिए।

पुलिस ने शुक्रवार को कहा था कि सीजेपी के प्रदर्शन को अनुमति

नहीं दी गई है। पुलिस के मुताबिक, आयोजकों ने पिछले प्रदर्शन के दौरान दिए गए आश्वासनों और कानूनी निर्देशों का पालन नहीं किया था। इससे पहले शनिवार को सीजेपी के नेताओं अभिजीत दिपके, सौरव दास और आशुतोष रंका को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में ले लिया गया। तीनों नेता मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने जा रहे थे।

पुलिसकर्मी इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान के उतरने के बाद उसमें दाखिल हुए और अभिजीत दिपके समेत अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया। दिपके ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें दिल्ली पुलिस के जवान विमान के अंदर प्रवेश करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में दिपके पुलिसकर्मीयों से कहते सुनाई देते हैं, 'मैं यहां गिरफ्तार होने के लिए आया हूं, मुझे गिरफ्तार कीजिए।' सीजेपी ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर तीनों नेताओं की हिरासत की जानकारी दी।

अरविंद केजरीवाल समेत आप के कई नेता हिरासत में लिए गए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज और दुर्गाश पाठक के साथ पुलिस ने हिरासत में ले लिया। वहीं, पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ में निर्वाचन आयोग के कार्यालय के बाहर मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं और वोट चोरी के आरोपों को लेकर प्रदर्शन कर रहे आप के वरिष्ठ नेता और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया को भी पुलिस ने हिरासत में लिया।



ममता बनर्जी ने दिल्ली पुलिस पर लगाया 'अपहरण' का आरोप, थाने में धरने पर बैठीं

नई दिल्ली।

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तुणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने शनिवार को दिल्ली में हिरासत में लिए जाने के बाद पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके साथ मौजूद चार सांसदों को हिरासत में लेकर दो घंटे तक जेल वैन में घुमाया गया। ममता बनर्जी ने एलान किया कि वह शनिवार रात कोलकाता नहीं लौटेंगी और विरोधस्वरूप सोमवार को विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए के मार्च में शामिल होंगी। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'हमारे चार सांसदों के साथ हमने द्वारका नॉर्थ पुलिस स्टेशन में धरना शुरू कर दिया है, जहां हमें लाया गया है। हमारा अपहरण किया गया और दो घंटे तक जेल वैन में घुमाया गया।'



रियाद एयरपोर्ट पर जोरदार धमाका यात्रियों को निकाला गया; प्लाइट रद्द



एजेंसी ■ रियाद
सऊदी अरब के रियाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार को जोरदार धमाके की आवाज सुनी गई, जिसके बाद एक दर्जन से ज्यादा एम्बुलेंस को एयरपोर्ट की ओर तेजी से जाते देखा गया और यात्रियों को एयरपोर्ट से बाहर निकाला गया।

शनिवार को यह घटना ऐसे समय में हुई है जब यमन में ईरान-समर्थित हूथी विद्रोही सऊदी अरब पर मिसाइल हमले बढ़ा रहे हैं। इस हफ्ते एयरपोर्ट पर पहले भी दो बार हमले हो चुके हैं, जिनके चार लोगों

की मौत हुई, कई घायल हुए और एक विमान को भारी नुकसान पहुंचा। सऊदी सरकार के मीडिया ऑफिस और सऊदी सिविल एविएशनथॉरिटी ने इस घटना पर टिप्पणी के अनुभव का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। रियाद जाने वाली सभी उड़ानें दूसरी जगह भेजी या रद्द कर दी गई प्लाइट ट्रैकिंग साइट 'फ्लाइटइटराडार24' के अनुसार, रियाद जाने वाली सभी उड़ानें या तो दूसरी जगह भेज दी गई या रद्द कर

दी गई; एक समय तो एयरपोर्ट के ऊपर सिर्फ एक हेलिकॉप्टर ही मंडरा रहा था। एयरपोर्ट जाने से पहले यात्रियों को प्लाइट का स्टेटस चेक करने की सलाह एयरपोर्ट ने यात्रियों से कहा कि वे एयरपोर्ट जाने से पहले सीधे अपनी एयरलाइन से संपर्क करें और अपनी प्लाइट का स्टेटस चेक कर लें। एतिहाद एयरवेज और कतर एयरवेज ने अपने-अपने हब और रियाद के बीच कई उड़ानें रद्द कर दीं, कुछ उड़ानें सोमवार तक के लिए रद्द की गई हैं।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी का अखिलेश यादव को चैलेंज

‘मैं तैयार, आप भी अयोध्या से लड़िए चुनाव

एजेंसी ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बलरामपुर में विकास परियोजनाओं के बहाने विपक्ष, खासकर समाजवादी पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को अयोध्या से चुनाव लड़ने की चुनौती देते हुए कहा कि वह भी वहां से चुनाव लड़कर अपनी किस्मत आजमा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि 2017 से पहले प्रदेश के इस क्षेत्र में पहचान का संकट, तस्करि और अपराधियों की अराजकता थी, जबकि अब विकास की नई संभावनाएं सामने आ रही हैं।

सीएम योगी ने बलरामपुर में 803 करोड़ रुपए से अधिक लागत



की 78 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एक वोट ने क्षेत्र की तस्वीर बदलने में भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि जो वोट पहले पहचान के संकट और तस्करि से जोड़कर देखा जाता था, वहीं आज क्षेत्र की तरक्की और बदलाव का आधार बन रहा है।

‘रिगड’ चुनाव का आरोप लोकतांत्रिक भरोसे को पहुंचाता है चोट, पूर्व नौकरशाहों का खुला पत्र



एजेंसी ■ नई दिल्ली

पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल, पूर्व राजदूतों और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों सहित पूर्व सिविल सेवकों के एक समूह ने भारत की चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता का बचाव करते हुए संयुक्त खुला पत्र जारी किया है। पत्र में चुनावों में धांधली के आरोपों को बिना सबूत लगाए जाने पर सवाल उठाते हुए नागरिकों से चुनावी व्यवस्था में स्थापित बहुदलीय सुरक्षा उपायों पर भरोसा करने, सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का सम्मान

करने और मतदाता सूची की जांच करने की अपील की गई है।

पत्र में कहा गया है कि चुनावों को 'रिगड' यानी धांधली से प्रभावित बनाने के लिए बिना सबूत इस शब्द का बार-बार इस्तेमाल लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों के भरोसे को नुकसान पहुंचाता है। पत्र लिखने वाले अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने अपने पूरे करियर में भारत के चुनावों का संचालन किया है या उनका अध्ययन किया है। उन्होंने मतदाता सूची तैयार करने, मतदान कर्मियों को प्रशिक्षित करने, स्ट्रॉंग रूम सील करने और मतगणना की निगरानी जैसे कार्य किए हैं। पत्र के मुताबिक, इन अधिकारियों का किसी राजनीतिक दल से संबंध नहीं है और वे अपने अनुभव के आधार पर चुनावी प्रक्रिया की सुरक्षा व्यवस्था को सामने रखना चाहते हैं। पूर्व अधिकारियों ने पुराने चुनावों में बूथों पर हथियारबंद लोगों की मौजूदगी, बाहुबलियों के समर्थकों की गतिविधियों, मतपेटियों में अवैध तरीके से मतपत्र डालने, मतपेटियां चुराने और मतदाताओं के मतदान से रोकने जैसी घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बूथ कैप्चरिंग की समस्या इतनी गंभीर थी कि संसद ने 1989 में इसे अपराध घोषित किया।

425 रुपए प्रति विवंटल की दर से होगी गन्ने की खरीदी गन्ना किसानों के हित में बड़ा निर्णय

संवाददाता ■ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के गन्ना किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए शक्कर कारखानों में गन्ने की खरीदी अब 425 रुपए प्रति विवंटल की दर से किए जाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनन्यता की खुशहाली ही समृद्ध छत्तीसगढ़ का आधार है। किसानों को उनकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल मिले, खेती लाभकारी बने और किसान परिवार आर्थिक रूप से निरंतर सशक्त हों, इसके लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री साय से भारतीय किसान संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में संगठन मंत्री मनीष शर्मा, महामंत्री नवीन शेष सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल थे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

भेंट के दौरान मुख्यमंत्री साय ने प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रदेश के किसानों से



जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। चर्चा के दौरान गन्ना उत्पादक किसानों के हितों से संबंधित विषय भी प्रमुखता से सामने आया। मुख्यमंत्री ने किसानों की भावनाओं और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर त्वरित पहल की और शक्कर कारखानों के लिए गन्ने की खरीदी 425 रुपए प्रति विवंटल की दर से करने का निर्णय लिया। पेर्राई सत्र

2025-26 में की गई खरीदी का भुगतान भी बढ़े हुए दर पर किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि लागत को कम करने तथा खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए गन्ने की खरीदी 425 रुपए प्रति विवंटल सरकार भी किसानों के हितों को अपनी

नीतियों और निर्णयों के केंद्र में रखकर आगे बढ़ रही है। किसानों की आवश्यकताओं और समस्याओं के प्रति सरकार संवेदनशील है तथा किसान हित से जुड़े विषयों पर प्राथमिकता से निर्णय लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण समृद्धि में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। खेती-किसानी मजबूत होगी तो गांव मजबूत होंगे और गांवों की समृद्धि से ही छत्तीसगढ़ की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

राज्य सरकार का प्रयास है कि किसानों को उनकी उपज का उचित और बेहतर मूल्य मिले तथा कृषि उनके लिए सम्मानजनक और लाभकारी आजीविका का सशक्त माध्यम बने। भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधिमंडल ने गन्ना किसानों के हित में लिए गए इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इस निर्णय से प्रदेश के गन्ना उत्पादक किसानों को लाभ मिलेगा और उन्हें अपनी मेहनत का बेहतर प्रतिफल प्राप्त होगा।



कहानी



दिनेश विजयवर्गीय

आगे कुछ और कहते पर सामने उनका बड़ा लड़का प्रेमेंद्र खड़ा था सो चुप्पी साध गये ।

‘क्या बात है बाबूजी ?’ वह पूछने लगा । पर वह अब गुस्से भरी आवाज में बोल नहीं पा रहे हैं। जानते हैं यदि कुछ और बोला तो चढ़ बैठेगा इसलिए वह दबी जुबान से बोल रहे हैं। ‘कोटा जाने वाली बस निकल जाएगी। दस बजे का टाइम है। और खाना अभी तक भी बना नहीं।’

प्रमेंद्र रसोई में जाकर खुद ही खाना परोसने में लग गया। दो रोटी ले पाए थे कि बस का टाइम निकट आ गया।

मुरली जी जेट की चढ़ती सुबह की धूप में हाथ में बैग लिये कुछ सोचते हुए आगे बढ़ते जा रहे थे। पेंशन हुए इन पांच महीनों में वह चबरा कितने गये हैं ? नौकरी से पेंशन क्या हुई, हर दिन जैसे आर्थिक संकट गहराने लगा। लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं है कि उनकी घर में इन्जत ही न रहे। प्रेमेंद्र आपणा और बिना कोई आदर का सलुक किए बोलने लगेगा। उपमा सबका अच्छा खासा सिरदर्द है। जवान हो गई पर अभी तक शादी भी नहीं हो पाई। वह हर माह लड़का तलाश करने में आज यहां कल वहां के चक्कर लगा रहे हैं। बस वह प्रेमेंद्र की शादी कर पाए और शादी को चार साल भी नहीं हुए कि दूसरा बच्चा होने वाला है। नौकरी भी तो –तीन साल से एक निजी स्कूल में करने लगा है। लेकिन अब बोलेगा तो ऐसे जैसे कोई नवाब बोल रहा हो। पहले बस स्टैंड तक छोड़ने के लिए साइकिल पर बिठाकर ले जाता था। लेकिन आज पूछा तक नहीं। उसकी मां भी कौन सी ध्यान देने लगी है। पहले वह सोचा करते थे दिन भर मस्त रहेंगे और जी चाहेगा वहां जाएंगे। लेकिन वह ऐसा कुछ भी नहीं कर पा रहे हैं।

वह बस में बैठ गए। बस उनके बैठते ही रवाना हो गई। उन्हें लगा जैसे वह उनकी ही प्रतीक्षा कर रही थी।

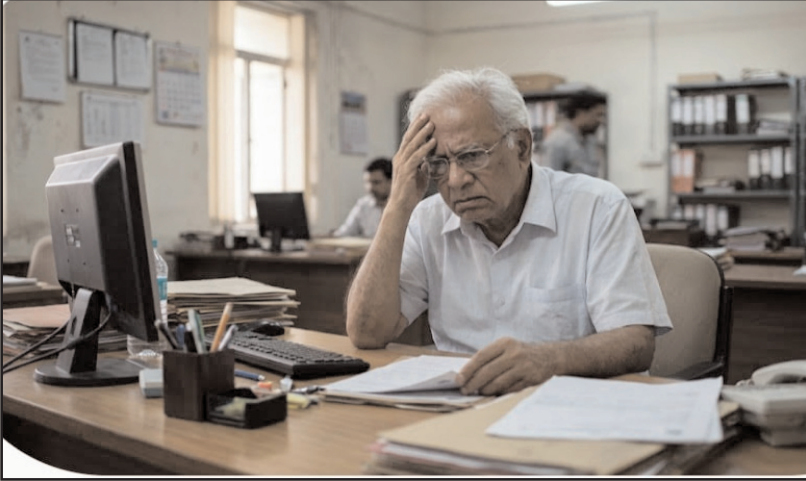
वह सोचने लगे कितना अच्छा होता है वह लेखक होते। तब वह ताजा घटनाओं पर लेख लिख सकते थे। अपने विचारों को किसी भी प्रिय पत्र

पत्रिका में प्रकाशित करवा देते। और समय पर वह लोकप्रिय लेखक बन जाते। संपादक भी नाम देखकर सधन्यवाद स्वीकृत कर लेता । इस तरह आज वह अपने लेखन कार्य से कुछ मानदेय भी प्राप्त करते रहते। इसके चलते वह खर्च के लिए खुले हाथ रहते ।

कंडक्टर ने पूछा ‘ कहां जाना है ?’ यह सुन वह चौंक से गये। पर अपने आप को व्यस्त भाव से प्रस्तुत करते हुए बोले ‘कोटा।’

कुछ ही देर में पास में बैठी वह गांव वाली औरत उतर गई तो खिड़की के पास वाली सीट उनको बैठने के लिए मिल गई। अब उन्हें ठंडी हवा से राहत मिलने लगी थी। इजी होकर वह अपने विचारों में घुलने लगे। वह सब से पहले ईसी बाबू से ही मिलेंगे। उनसे ही मिलना ठीक रहेगा। और यदि गोल कमरे में गए तो एकार्ड्स वाले विनोद

कहाँ रहा अब भरोसा



बाबू से मिलेंगे। लेकिन वहां जाकर वह केवल इन दो व्यक्तियों से ही तो मिलकर नहीं रह जाएंगे ? आखिर वह इस ऑफिस में वर्षों आएस रहे हैं। सारा स्टाफ उनकी देखरेख में काम करता था। कई दूर दराज से अपने कार्यालय में लाने में वह प्रमुख सहयोगी रहे। उन्हें सभी अपने से लगने लगे और लगा कि उनका काम जाते ही हो जाएगा। सली से जाकर कहेंगे देखो ऐसा है मेरा प्रभाव और व्यवहार ।

कोटा के बस स्टैंड पर उतर आगे बढ़ने लगे तो आटो वाले ने पूछा ‘कहां चलना है बाबूजी ?’ पर वह बिना कोई जवाब दिए आगे बढ़ते रहे। अब ? वह एक कपया खर्च करने पर भी सोचने लगे थे, सो पैदल ही धूप की तेजी से बचते बचाते पेड़ों की छाया में आगे बढ़ते जा रहे थे।

जैसे ही घर पहुंच कर बताऊंगा की पेंशन का सारा काम एक ही दिन में पूरा हो गया और अगले माह से ही उन्हें पेंशन मिलने लगेगी । बीमें की मिलने वाली रकम भी जल्द ही मिल जाएगी। यह जानकर सबको बहुत खुशी होगी। सबसे अधिक खुशी प्रेमेंद्र की मां को होगी, क्योंकि अब वह बेटी की शादी ठीक-ठाक हो सकेगी। पेंशन प्रकरण के जल्द ही निपटने पर उन्हें घर पर यह बताने का अवसर भी मिल जाएगा कि उनका कितना रस्पेक्ट है अभी भी उनके ऑफिस में। वह गर्व से कहेंगे देख लिया ना प्रेमेंद्र की मां एक ही दिन में हुआ है सारा काम ।

वह मन ही मन अपने बारे में सोचते खुश होते , ऑफिस के बाहरी गेट के पास पहुंच गये। नीम के पेड़ की छाया में खड़ा हुआ जगू भाई का चाय का टेला । अंदर चार दीवारी से लगा कैंटीन

कहेंगे ।

कांति बाबू टाइप कर रहे हैं । गुलजार बाबू गर्दन झुकाए और फाइलों के ढेर में फंसे हुए हैं। ईसी बाबू शायद कहीं गए हुए हैं उनकी अलमारी खुली हुई है । दूसरी और देखा अकाउंट वाले विनोद बाबू इजी होकर सिगरेट पी रहे हैं। उन्होंने अंदर कदम रखने से पहले सोचा कि वह विनोद बाबू से ही पहले मिलेंगे। वही उनका काम पूरा कर पाएंगे।

‘कहिये क्या हाल-चाल हैं ?’ कहते हुए वह सीधे विनोद बाबू की सीट पर पहुंच गए। विनोद बाबू परिचित आवाज सुन चौंक से गये। उन्हें देख नमस्ते की। पर जैसे ही उन्हें आशा थी कि उन्हें देख कर वह सिगरेट बुझा देंगे और उनके रस्पेक्ट में खड़े होंगे,पर ऐसा कुछ नहीं हुआ।

सामने की कुर्सी पर उनसे बैठने के लिए कह विनोद बाबू जल्दी-जल्दी सिगरेट पूरी करने लगे। वह चुप्पी साधे हुए थे। कुछ क्षणों में मिस लता भी चली गई। विनोद बाबू ने लता को जाता देख उनसे कहा ‘आप बैठिए, हम लोग पन्द्रह मिनट में आते हैं ।’ इतना कह विनोद बाबू भी उसके पीछे हो लिये।

?वह अकेले रह गए। उन्हें लगा कि जैसे उन्हें नो लिफ्ट देकर अर्पक्षित कर दिया हो। वह थे तब उनका कैसा रस्पेक्ट था यहां ! और आज नौकरी से निवृत्त होने के बाद पहली बार आने पर भी कोई लगाव नहीं है। यदि आज वह अपना कार्य पूरा नहीं कर पाए तो उन्हें घर पर भी कितना सुनना पड़ेगा। प्रेमेंद्र की मां कहेंगी ‘लो साहब जी, खाली हाथ लौट आए । अब रिटायरमेंट के बाद कौन किसें पूछता है?’

तभी एक कप चाय लिए ऑफिस का चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तुलसीराम आया। उसने नमस्ते की और उनसे ‘अच्छा तो हो बाबूजी!’ कहकर लौटने लगा तो उन्होंने पूछ ही? लिया ‘आज क्या कोई विशेष बात है?’ वह चाय पार्टी के लिए बोल रहे थे। वह मुस्कराया फिर अपने को व्यस्त बनाते हो बोला ‘ मिस लता की सगाई हुई है, उसी की चाय पार्टी है ।’

उन्होंने चाय पीते हुए सोचा, क्या यही समय रह गया चाय पार्टी के लिए? अभी तो ऑफिस शुरू ही हुआ है। लंच के समय भी तो किया जा सकता था यह सब। वह थे तब ऐसा नहीं हुआ करता था। उन्हें ध्यान आया कि पिछले दिनों उन्होंने किसी अख बार में कहीं पढ़ा था कि एक कर्मचारी की रिटायर में एक वर्ष हो गया और अब तक बीस शिकायती पत्र भी दे चुका है पर अभी तक पेंशन केस नहीं बना।

वे सब लोग आ गए। विनोद बाबू ने उन्हें बताया कि ‘पेंशन केस अभी पूरा नहीं बन पाया। पुराना रिकॉर्ड ठीक से देखकर बना पाएंगे। करीब एक महीना और लगेगा।’

व्यंग्य

आपको पुरस्कार क्यों दिया जाए ?



प्रभात गोस्वामी

कोई किताब अथवा बेहतरीन रचना भेजने की आवश्यकता नहीं है। सीधे ‘वाक इन इंटरव्यू’ के लिए चरणदास मार्ग पर होटल चकरंधिनी के कमरा नंबर-420 में आना है। कमरा नंबर देखकर शंका न करें, बड़े-बड़े शहरों में ऐसा ही होता है ।

वैसे आजकल चार सौ बीसी में इतनी ईमानदारी होती है, जितनी ईमानदारी में भी नहीं होती । हमारा सर चकराने लगा। लेकिन पुरस्कार की गोली किसी भी सिर दर्द की गोली से जल्दी और प्रभावी असर करती है ।

बहरहाल, हम सीधे होटल चकरंधिनी पहुँच गए । बहुत सारे साहित्यकार वहाँ अपने-अपने चेहरे पर वरिष्ठता के भाव चिपकाए एक-दूसरे को भाव नहीं दे रहे थे । कुछ ही देर में हमारा नंबर आया । कक्ष में घुसते ही सामने बैठे साक्षात्कार मण्डल के समक्ष मुस्कराते हुए सबका का सादर अभिवादन किया । हमें बैठने को कहा गया ।

‘ आप इतना क्यों मुस्करा रहे हैं ? क्या आपको लग रहा है कि पुरस्कार के लिए आपको नाम पर सहमति बन गई है ? ’ हम कुछ असहज होते हुए गंभीर हो गए । इस पर अगला बाण चला ।

‘ इतने गंभीर क्यों हो गए हो महोदय ,हमने आपको पुरस्कार के लिए अस्वीकार भी तो नहीं किया ? ’

‘ श्रीमान आप ही बताइए कि मुस्कराएं भी नहीं, गंभीर भी नहीं हों तो क्या करें ? ’ हमने सामने विराजमान विशेषज्ञ से पूछा ।

‘ भाई, आप व्यंग्यकार हैं । जैसे व्यंग्य में हास्य का मिश्रण करते हैं, वैसे ही रहें । सोलह दांतों से हँसिये ,सोलह दांतों से गंभीर बने रहें । साक्षात्कार मण्डल के अध्यक्ष जवाचे ।

‘ क्या करें आजकल हंसने-रोने के भी निहितार्थ निकाले जा रहे हैं । वैसे आपने कैसे जान लिया कि मैं व्यंग्यकार हूँ ? ’

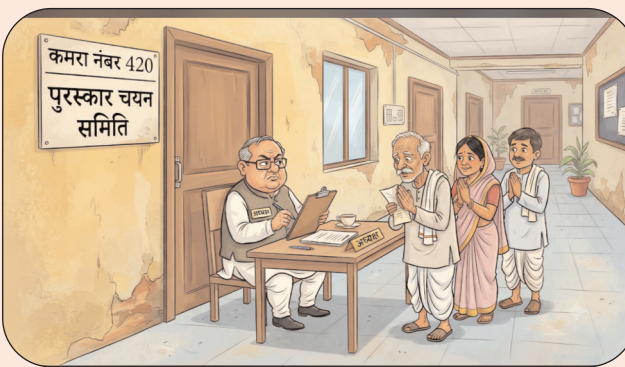
‘ जी, हमारी सीसी टीवी में देखा । आप स्वागत कक्ष से साक्षात्कार कक्ष तक सबसे बचते-बचाते जो आ रहे थे । सांप भी मारना चाहते हैं और लाठी भी नहीं तोड़ना चाहते ! आपने नमस्कार भी झुक कर नहीं किया। खैर, बताइए आपको पुरस्कार क्यों दिया

जाए ‘ जी हर अच्छे लेखक की चाहत होती है कि उसे पुरस्कार मिले ।’

‘ क्या किसी के चाहने मात्र से ऐसा संभव हो जाता है ? ’

‘समय कम है, कृपया बताएं कि आप कितने साहित्यिक समूहों में शामिल हैं ? कब से साधना कर रहे हैं ? आपके कितने पिता हैं ? ’ आप किस विचारधारा,किस दल के समर्थक हैं ? मार्केटिंग जानते हैं ? आपकी खरीद क्षमता और आपके जूते के नंबर के बारे में भी बताएं ? ’तेज गेंदबाज बुमराह के बाउंसर एवं यॉर्कर की मारिंद एक साथ कई सवाल दागे गए ।

‘ जी कितने बेतुके सवाल पूछे हैं ? पिता तो एक ही होता है । मैं पचास सालों से साधना कर रहा हूँ। बहुत से गुटों में भी निर्गुट हूँ । मार्केटिंग नहीं जानता । मेरे जूते के नंबर आठ हैं । हमने गुस्से से जवाब दिए । जी किया उठ जाऊँ पर कुर्सी पर पुरस्कार की गॉंद से चिपके होने की वजह से उठ नहीं



पाए ! क्या-क्या न सहे हमने सितम पुरस्कार की खातिर ।

‘ लगता है जीवन में पहला साक्षात्कार दे रहे हो । सफलता पाने के लिए कई पिता होते हैं- जैविक पिता के अलावा साहित्य में आप जिनके मानस पुत्र हैं । तीसरे सामूहिक पिता जो साहित्यिक समूहों में कई-कई लेखक पुर्णों को पुरस्कारों के लिए जन्म देता है। दफ्तर में भी....! हम सुन हो गए थे, काटो तो खून नहीं ।

‘आप लंबे समय से साहित्य साधना कर रहे हैं । पुरस्कार के लिए समिति के अध्यक्ष ,सदस्यों को साधना पड़ता है। कई बार सम्मान खरीदना भी पड़ता है। वैसे आपके जूते के नंबर भी हमारे पुरस्कार समिति के प्रदाता से अधिक हैं । हम सामने से आए बाउंसरों से घायल हो चुके थे ।’ महोदय में अच्छा लेखक हूँ, सक्रियता से लिख रहा हूँ। देश के विभिन्न प्रतिष्ठित समाचार पत्रों, पत्रिकाओं में निरंतर छपता हूँ । पाठकों का अपार स्नेह पुझे मिल रहा है । धैर्य के दूटे हुए बांध में बहते हुए हमने जवाब दिया।

उफ , आप अच्छे लेखक हैं पर साहित्य के पिच पर अर्नाफिट हैं। किसी अच्छे ट्रेनर के पास जाएं। यहाँ पधारे के लिए धन्यवाद ।

15/27 मार्चवीथ्य नगर, जयपुर -302017
मोबाइल : 9829600567

विश्व केसरी

कविता



रिया मनोज

गुलमोहर का मौसम

हर साल आता है,

मगर हर बार

दिल को पहली

मोहब्बत जैसा लगता है।

वो पेड़

धूप से लड़ता नहीं,

बस उसके बीच

इतना खिलकर जीता है

कि तपिश भी खूबसूरत लगने लगती

है।

उसके लाल फूल

ऐसे लगते हैं

जैसे किसी ने

जलते आसमान पर

इश्क़ लिख दिया हो।

लोग कहते हैं

गुलमोहर बहुत कम दिनों तक खिलता

है,

पर शायद खूबसूरत चीजें

ज्यादा देर ठहरने के लिए नहीं होंगी —

बस याद बन जाने के लिए होती हैं।

गुलमोहर..

और फिर तुम आए...

तुम्हारी हँसी में वही खिलापन था, तुम्हारी बातों में वही टंडी छाँव, और तुम्हारी मौजूदगी में वही सुकून जो एक थका हुआ मुसाफिर गुलमोहर के नीचे बैठकर महसूस करता है।

तुम्हें देखकर मुझे हमेशा यही लगा कि अगर मोहब्बत का कोई रंग होता, तो वो गुलमोहर के फूलों जैसा होता — थोड़ा आग सा, थोड़ा बारिश सा, और पूरी तरह दिल जैसा।

अब जब भी कहीं गुलमोहर खिलता दिखता है, मैं फूल नहीं देखती... गुलमोहर में हमारा इश्क़ देखती हूँ।

सह-संस्थापक एवं निदेशक,
जयपुर आइकॉन,जयपुर

लघुकथा

मेड़िया



प्रियंका गुप्ता

माँ अक्सर अपने नन्हे-से मेमने को समझाती...घर के बाहर दूर तक अकेले न जाना। घना, अन्धेरा...बिल्कुल काला जंगल...जिसमें खूंख़वार जंगली जानवर बसते हैं। बाकी तो तब भी ठीक हैं...शायद बख़्शी भी दें, पर भेड़िया वह जीव है, जिससे उसे सबसे ज्यादा होशियार रहना है। अपनी आँख-नाक-कान सब खुले रखने हैं। माँ जब काम पर जाए तो दरवाज़ा बन्द कर के घर के अन्दर ही रहना है। मेहमान का भी भरोसा नहीं करना है बिल्कुल। दूर से भी कहीं भेड़िया छुपे होने का शक़ हो, तो तुरन्त भाग कर घर में घुस के दरवाज़े-खिड़कियाँ मजबूती से बन्द कर लेने हैं।

माँ ने दुनिया देखी थी, जंगल देखा था...वो सब जानती थी। मेमना माँ की सब बात मानता था। ये बात भी मानी। इस लिए अब वह अकेले कहीं नहीं जाता था...किसी अजनबी तो दूर, जानने वाले से भी ज्यादा बात नहीं करता था। माँ के जाते ही मजबूती से घर के सब खिड़की-दरवाज़े बन्द कर लेता था।

एक दिन माँ जब काम से लौटी, मेमना कहीं नहीं मिला। मिले, तो बस्स खून के कुछ कतरे। माँ नहीं समझ पा रही थी कि उसके इकने आज्ञाकारी बच्चे का शिकार आखिर हुआ कैसे...? समझ तो शिकार होने तक मेमना भी नहीं पाया था।

माँ उसे घर के भेड़िए के बारे में बताना जो भूल गई थी।

नवगीत

दूर हुए खिलौने



अशोक आनन

बच्चों से –

दूर हुए खिलौने ।

छुटपन में –

छुटपन बड़ा हो

गया ।

घुटनों से –

पाँवों पर खड़ा हो गया ।

नींदों में –

टूटे स्वप्न सलौने ।

धूप में –

कागज़ की नावें झुलसीं ।

जिंदगी –

औरों के हाथ पतंग – सी ।

नभ है ऊँचा –

हैं पंछी बौने ।

कहाँ गये –

बचपन के वे दिन छिछोरे ।

पृष्ठ हैं –

जिनकी यादों के कोरे ।

हाथ रहे न –

वो रस के दोने ?।

जूना बाज़ार , मक्सी जिला –

शाजापुर (म.प्र.)

मोबाइल – 9977644232

कविता



राजीव डेयार

आखिरी दोस्त

आखिरी उम्मीद हो

तुम।

जीवन के अंतिम

अध्याय की

अंतिम कड़ी हो तुम।

मोह का पाश नहीं

स्नेह का अंतिम चरण हो तुम।

मेरे अंतिम जीवन की

अंतिम स्पष्ट किरण हो तुम।

मेरे अधूरे जीवन की

अंतिम मुस्कुराहट हो तुम।

सब कुछ खो जाने के बाद भी

बाल कविता



निमिषा सिंघल

बरगद का इक पेड़

पुराना,

जैसे कोई बूढ़ा नाना।

लंबी-लंबी दाढ़ी

वाला,

हरी घनी-सी सपाड़ी वाला।

बड़े तने के कुतें वाला,

ढेर सारी भुजाओं वाला।

बंदर कूदें करें उत्पात

खींचे डाली और पात-पात।

चोखे चिड़िया,गाए गान,

कूदें गिलहरियाँ बने पहलवान ।

लगता सब नाना के नाती,

सब के सब ज्यों बने बाराती ।

अपनी मस्ती में इठलाते

बालों को भी खींचे जाते।

नन्हे बच्चे शोर मचाते

बरगद जी तब खुश हो जाते ।

बरगद तो है बूढ़ा नाना

इनका कहना किसने माना।

कभी-कभी लगता गुस्सा हो,

जोरों से केवल हँसता हो।

बच्चे जब भी थक जाते हैं ,

बरगद जी तब मुस्कताते हैं।

लोरी दे उन्हें सुलाते

पत्तों की चादर को उढ़ाते ।

बरगद तो बूढ़ा नाना है

हमने तो ऐसा माना है।

आगरा उत्तरप्रदेश

खेल मैदान में कोई हारता नहीं, जीतता या सीखता है : केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू

विश्व केसरी■
बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरबानी)। जो खेलता है, वह खिलता है। खेल के मैदान में कोई हारता नहीं, खिलाड़ी या तो जीतता है या कुछ नया सीखता है। यह बातें खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने बिलासपुर में आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन अवसर पर कही।

केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू के मुख्य आतिथ्य में आज स्व. बी.आर. यादव राज्य प्रशिक्षण केंद्र, बहतराई में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026-27 का समापन हुआ। समारोह में बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक एवं पार्षद तथा एमआईसी सदस्य तिलकराम साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि खेल केवल जीत और हार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य और संघर्ष की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि एक समय कहा जाता था कि पढ़ोगे-लिखोगे तो बनोगे नवाब, खेलोगे-कूदोगे तो होंगे खराब, लेकिन आज खेल भी सफलता और उज्ज्वल भविष्य का संशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए आगे



कहा कि पढ़ाई को ऐसे पढ़ें कि वह खेल बन जाए और खेल को ऐसे खेलें कि वह पढ़ाई बन जाए। साहू ने श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण के कर्मयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि इंसान को हमेशा अपने कर्म करते रहना चाहिए और फल की चिंता नहीं करना ही जीवन में आगे बढ़ने का मूल मंत्र है। खेल का मैदान भी कर्मयोग की पाठशाला जैसा है, जहां खिलाड़ी परिश्रम, समर्पण और निरंतर प्रयास का महत्व सीखता हैं। सर्वांगीण विकास के लिए शारीरिक विकास अत्यंत आवश्यक है। खेल बच्चों को शारीरिक रूप

से स्वस्थ बनाने के साथ साथ मानसिक रूप से भी मजबूत बनाता हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग, खेल प्रशिक्षकों एवं आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी। बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खेले इंडिया पहल से देश की खेल प्रतिभाओं को नई दिशा और आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। आज छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के

खिलाड़ी भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। एशियाई खेलों में देश की बेटियों सहित अन्य खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारत का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उप मुख्यमंत्री अरुण साव के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में खेलों को निरंतर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। राज्य सरकार खेल सुविधाओं के विस्तार और प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है।

रोमांचक मुकाबले में बिलासपुर ने फहराया जीत का परचम रायपुर को एक अंक से पछाड़ा - प्रतियोगिता में प्रदेश के पांचों संभागों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। जहाँ बिलासपुर संभाग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 57 अंक अर्जित कर ओवरऑल चैंपियनशिप जीती वहीं रायपुर संभाग 56 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर उपविजेता रहा। बस्तर संभाग को 39, दुर्ग को 31 और सरगुजा संभाग को 8 अंक प्राप्त हुए। हॉकी के 19 वर्ष आयु वर्ग में बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में दुर्ग संभाग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कबड्डी के 19 वर्ष बालक वर्ग में बिलासपुर संभाग विजेता रहा, जबकि तीरंदाजी में बस्तर संभाग के खिलाड़ियों का दबदबा रहा।

शिवरीनारायण दशहरा मेले की व्यवस्थाओं का कलेक्टर और एसपी ने लिया जायजा

विश्व केसरी■
शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। धार्मिक एवं व्यापारिक नगरी शिवरीनारायण में आयोजित दशहरा मेले की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने कलेक्टर जनमेजय मोहबे और पुलिस अधीक्षक विजय पांडे मेला स्थल पहुंचे। उनके साथ एडीएम, तहसीलदार और नगर पंचायत अध्यक्ष राहुल थवाईत , के साथ दुर्गा सेवा समिति के सदस्य रितेश केसरवानी भी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की आवाजाही, प्रवेश-निकास मार्ग, दुकानों, पार्किंग, पेयजल, प्रकाश, सफा-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर ने नगर पंचायत और संबंधित विभागों को नियमित सफाई, निर्देश दिए। उन्होंने व्यवस्थाओं की पर्याप्त पेयजल, प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त



रखने तथा अस्थायी दुकानों और टेलों को निर्धारित स्थान पर व्यवस्थित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी कर कमियों का तत्काल

निराकरण करने को कहा।

एसपी ने भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल और बैरिकेडिंग लगाने, यातायात सुचारु रखने, निर्धारित पार्किंग व्यवस्था लागू करने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए। महिला श्रद्धालुओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया।

अधिकारियों ने मेला समिति और स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभागों को समन्वय से काम करने के निर्देश दिए, ताकि मेले में स्वच्छता, सुरक्षा, यातायात और आपातकालीन सेवाएं प्रभावी बनी रहें।

बम्हनीडीह तहसील क्षेत्र में अवैध रेत पर कार्रवाई, 3 हाड़वा, 1 जेसीबी एवं 1 लोडर जब्त



विश्व केसरी■
जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। कलेक्टर जनमेजय मोहोबे के निर्देशानुसार जले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जागीरदार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज तहसील बम्हनीडीह अंतर्गत अवैध रेत परिवहन के मामले में कार्रवाई करते हुए कुल 3 हाड़वा, 1 जेसीबी एवं 1 लोडर सहित 5 वाहनों एवं मशीनों को जब्त किया गया। इस दौरान तहसीलदार प्रशांत पटेल सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

दर्रज प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23 (ख) तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के नियम 71 में उल्लेखित प्रावधानों के तहत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

सिद्धांतों पर अडिग रहे 'देहाती', उनका जाना समाज और पत्रकारिता के लिए अपूरणीय क्षति: अधिवक्ता चितरंजय पटेल

विश्व केसरी■
सक्ती (ईश्वर लोधी)। अखिल भारतीय अधरिया समाज सक्ति क्षेत्र ने अधरिया समाज खरसिया क्षेत्र के केंद्रीय प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ पत्रकार गोपाल कृष्ण नायक 'देहाती' के आकस्मिक निधन पर गहरा शोका व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। इस दौरान समाज के प्रमुख प्रतिनिधियों ने उनके योगदान और जीवन मूल्यों को याद किया।



अखिल भारतीय अधरिया समाज सक्ति के केंद्रीय प्रतिनिधि एवं उच्च न्यायालय के अधिवक्ता चितरंजय पटेल ने स्वर्गीय गोपाल कृष्ण नायक के जुझारु व्यक्तित्व को रेखांकित करते हुए एक संस्मरण साझा किया। उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में जब शहरी क्षेत्र के तथाकथित पत्रकारों ने गोपाल कृष्ण को 'देहाती' कहकर नीचा

हैंडपंप की बदहाल स्थिति, मरम्मत के अभाव में ग्रामीणों को हो रही है परेशानी

विश्व केसरी■
शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। ग्राम पंचायत बरगांव के आश्रित ग्राम पिपरा मे हैंडपंप की बदहाल स्थिति सामने आई है। तस्वीर में हैंडपंप का ऊपरी हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर नीचे गिरा हुआ दिखाई दे रहा है। आसपास का चबूतरा भी टूटा हुआ है और हैंडपंप के पास गड्ढा बना हुआ है। ऐसी स्थिति में हैंडपंप का उपयोग करना मुश्किल हो सकता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में हैंडपंप पेयजल का एक महत्वपूर्ण साधन है। ऐसे में हैंडपंप खराब होने से स्थानीय लोगों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं कराई गई, तो परेशानी और बढ़ सकती है। **ग्रामीणों ने की मरम्मत की मांग** स्थानीय स्तर पर खराब हैंडपंपों



की नियमित जांच और समय पर मरम्मत कराना आवश्यक है। संबंधित ग्राम पंचायत एवं जिम्मेदार विभाग को इस ओर ध्यान देकर हैंडपंप की स्थिति का निरीक्षण कराना चाहिए तथा आवश्यक

मरम्मत करारक इसे उपयोग योग्य बनाने की पहल करनी चाहिए। अब देखना होगा कि संबंधित जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या पर कब तक ध्यान देते हैं और हैंडपंप की मरम्मत के लिए क्या कदम उठाते हैं।

सामरी विधायक ने घटगांव में पहाड़ी कोरवा परिवारों को कराया गृह प्रवेश

विश्व केसरी■
बलरामपुर (आफताब आलम)। विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों के पक्के घर का सपना प्रधानमंत्री जनमन योजना से साकार हो रहा है। सामरी विधायक उद्देश्वरी पैकरा ने आज राजपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत घटगांव में पीएम जनमन आवास योजना से बने नए आवासों का फीता काटकर तीन पहाड़ी कोरवा परिवारों को गृह प्रवेश कराया। इनमें शिवधर पहाड़ी कोरवा, दिलसाय पहाड़ी कोरवा और लल्लू पहाड़ी कोरवा के परिवार शामिल हैं।

गृह प्रवेश के बाद विधायक पैकरा ने पहाड़ी कोरवा परिवारों और माताओं-बहनों से आत्मीय संवाद कर उनके सुख-दुख की जानकारी ली। उन्होंने परिवारों से



शासन की अन्य योजनाओं का भी लाभ लेने का आग्रह किया। पक्के घर मिलने से खुश पहाड़ी कोरवा परिवारों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत राजपुर संजय दुबे, सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी/कर्मचारीगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

तंबाकू बिक्री पर सख्ती विद्यालयों एवं दुकानों में चलाया गया जागरुकता अभियान



विश्व केसरी■
सक्ती (ईश्वर लोधी)।राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टर जयश्री जैन द्वारा दिए गए आदेश अनुसार एवं सीएमएचओ डॉ पूजा अग्रवाल के निर्देशन में ब्लॉक डभरा के चंद्रपुर में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ,स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग के संयुक्त प्रवर्तन दल द्वारा कोटपा एक्ट 2003(सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003) के तहत चालानी कार्रवाई की गई। कार्रवाई में डीपीएम कीर्ति बड़ा के मार्गदर्शन व जिला नोडल

अधिकारी एनटीसीपी डॉ प्रिया इक्का के सहयोग से औषधि निरीक्षक प्रतिमा राजपूत द्वारा शैक्षणिक संस्थाओं के 100 गज के दायरे में आने वाले विद्यालयों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों में कोटपा एक्ट 2003 की धारा 4 सार्वजनिक स्थानों में धूम्रपान पर प्रतिबंध धारा 6 अ नाबालिकों के तंबाकू उत्पाद के उपयोग व बिक्री पर प्रतिबंध व धारा 6 ब शैक्षणिक संस्थाओं के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पाद की बिक्री पर प्रतिबंध के अंतर्गत कुल 12 चालान काटे गए।

चिकित्सा हब के रूप में विकसित होगा कोनी, लगभग 1440 करोड़ की लागत से बनेगा सिम्स का नया एकीकृत परिसर

विश्व केसरी■
बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरबानी)। बिलासपुर का कोनी क्षेत्र चिकित्सा शिक्षा और आधुनिक उपचार सुविधाओं के लिए प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित होगा। यहां लगभग 1440 करोड़ रुपये का निगम से सिम्स के नए एकीकृत कॉलेज भवन का निर्माण किया जाएगा। इसी परिसर में छात्रावास, फिजियोथैरेपी कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज भी बनाए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री अरुण साव और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज कोनी स्थित स्वर्गीय दिलीप सिंह जुदेव स्मृति सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के निरीक्षण तथा प्रस्तावित सिम्स भवन के स्थल निरीक्षण के दौरान यह जानकारी दी।



उप मुख्यमंत्री अरुण साव और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में उपचाररत मरीजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और

उपचार के संबंध में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ सिम्स के नए भवन के लिए प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। और बताया कि छात्रावास भवन का निर्माण 50

करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। एक ही परिसर में चिकित्सा शिक्षा से जुड़े विभिन्न संस्थानों और उपचार सुविधाओं के विकास से कोनी क्षेत्र चिकित्सा हब के रूप में उभरेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि 100 बिस्तरों वाले सेंदरी मानसिक अस्पताल की क्षमता बढ़ाकर 200 बिस्तर कर दी गई है। क्षेत्र में 100 करोड़ कि लागत से आयुर्वेदिक कॉलेज का निर्माण भी जारी है। इसी परिसर में कैंसर अस्पताल का निर्माण लगभग पूर्णता की ओर है। इन सुविधाओं से बिलासपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि कोनी में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से बिलासपुर सहित पूरे क्षेत्र को लाभ मिलेगा।

पदोन्नति और स्थानांतरण के बाद पीडब्ल्यूडी विभाग में विदाई

विश्व केसरी■
भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) भानुप्रतापपुर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पदोन्नति और स्थानांतरण के बाद विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आपसी सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ बितिए कार्यकाल की यादें साझा कीं और नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं।



विभाग में हुए स्थानांतरण एवं पदोन्नति के तहत कई अधिकारियों को विभिन्न स्थानों पर नई जिम्मेदारियां

सौंपी गई हैं। इनमें बी.के. गोरी का कार्यपालन अभियंता के रूप में भानुप्रतापपुर में पदस्थ होना, ए.के. मिलंद का दरभा-जगदलपुर, एस.के. गणवीर का रायपुर तथा नितिन शिवहरे का पदोन्नति के बाद एसडीओ के रूप में दंतवाड़ा में पदस्थ होना शामिल है। इसी क्रम में विकास देहरी का एडीएम नारायणपुर, पुरुषोत्तम साहू का ट्रेसर के

पद पर नारायणपुर तथा बी.के. बांरा का एसडीओ के रूप में पक्षांजूर में स्थानांतरण हुआ है। कार्यक्रम में उप अभियंता एम.एम. नवाज, श्रवण मरकाम, अमित भारद्वाज, एन.एस. कोमरा एवं गजेन्द्र कोरेटी सहित विभाग के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सोना इस हफ्ते 1,200 रुपए से अधिक महंगा हुआ, चांदी 2.21 लाख के पार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सोने इस हफ्ते तेजी देखने को मिली, जिससे दाम 1,200 रुपए प्रति 10 ग्राम से अधिक बढ़ गया। हालांकि, इस दौरान चांदी में मामूली तेजी दर्ज की गई।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 1,292 रुपए बढ़कर 1,49,430 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,48,138 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,36,878 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 135694 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,12,073 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,11,104 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 9 अक्टूबर को सुबह के सत्र में 1,49,614 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।



रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम सोने के साथ चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली है। चांदी का दाम 280 रुपए बढ़कर 2,21,109 रुपए प्रति किलो हो गया।

है, जो कि पहले 2,20,829 रुपए प्रति किलो था। इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 5 अक्टूबर को शाम के सत्र में 2,24,157 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 7 अक्टूबर को शाम के सत्र में 2,20,866 रुपए प्रति किलो देखा गया।

आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,200 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 60 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी एक दाम इस हफ्ते एक सीमित दायर में रहे। इसकी वजह बॉन्ड यील्ड का लगातार 5 प्रतिशत और कच्चे तेल का 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहना है। वहीं, मजबूत डॉलर दोनों कीमती धातुओं पर दबाव बना रहा है।

सेबी ने नए सेटलमेंट नियम किए जारी, 10 लाख रुपए तक के मामलों के लिए फास्ट-ट्रैक रूट शुरू

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने सेटलमेंट के कैलकुलेशन के लिए नए संशोधित नियम जारी किए हैं। साथ ही, 10 लाख रुपए तक के मामलों के लिए फास्ट-ट्रैक रूट शुरू किया है।

रेगुलेटर ने एक नोटिफिकेशन में कहा कि सेटलमेंट और फास्ट-ट्रैक रूट के लिए बदले गए फॉर्मूले का मकसद इस सिस्टम को आसान और ज्यादा अनुमान लगाने लायक बनाना है। सेटलमेंट रेगुलेशन, 2026 के तहत, सेटलमेंट की शर्तों में सेटलमेंट की रकम, जहां लागू हो वहां गलत तरीके से कमाए गए मुनाफे की वापसी और सुधारात्मक व रेगुलेटरी शर्तें (जिन्हें पहले नॉन-मॉनेटरी शर्तें कहा जाता था) शामिल होंगी। इसमें गलत तरीके से कमाए गए मुनाफे की वापसी के लिए अलग से प्रावधान किया गया है, ताकि सेटलमेंट की गणना करते



समय ऐसी रकम की दोहरी गिनती न हो।

नया फॉर्मूला सेटलमेंट की रकम को एक बेस अमाउंट से जोड़ता है, जो सिक्योरिटीज कानूनों के तहत उल्लंघन के लिए तय कम से कम पेनल्टी से जुड़ा होता है। बेस अमाउंट तय करने में कानूनी खर्च के अलावा, कार्यवाही का चरण, रेगुलेटरी एक्शन, उल्लंघन की गंभीरता, और मामले को गंभीर या कम गंभीर बनाने वाले कारकों को ध्यान में रखा जाएगा।

तरह के होंगे -- उल्लंघन पर आधारित फीस्ट-ट्रैक सेटलमेंट और पैसे की सीमा पर आधारित फास्ट-ट्रैक सेटलमेंट।' जब सेटलमेंट की रकम 10 लाख रुपए या उससे कम होगी, तो मामले सीधे इंटरनल कमिटी से होल-टाइम मेंबर्स के पैनल के पास जाएंगे। उल्लंघन पर आधारित फास्ट-ट्रैक सेटलमेंट में, सेबी संबंधित संस्था को एक नोटिस भेजेगा जिसमें नोटिस में बताई गई रकम का भुगतान करके मामले को निपटाने का मौका दिया जाएगा। सेटलमेंट की रकम का भुगतान होने के बाद सदस्यों का पैनल सेटलमेंट ऑर्डर जारी करेगा। इन नियमों में फाइनेंशियल स्टेटमेंट की गलत तरीके से पेश करने या फंड के गलत इस्तेमाल से जुड़े मामलों का सेटलमेंट भी शामिल है, बशर्ते उचित सुधारात्मक और रेगुलेटरी उपाय किए जाएं, जिनमें डिस्क्लोजर और डायवर्ट किए गए फंड की रिकवरी शामिल है।

ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह पर रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट गुलाबी रोशनी से जगमगाया

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर इस अक्टूबर में रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट को गुलाबी रोशनी से रोशन किया गया है। यह पहल स्तन कैंसर से प्रभावित महिलाओं के प्रति आशा, जागरूकता और एकजुटता का प्रतीक बनकर सामने आई है।

इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को अपने स्तन स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने, शरीर में होने वाले असामान्य बदलावों पर ध्यान देना, समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने और अनुशंसित स्क्रीनिंग कराने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके साथ ही परिवारों को भी स्तन स्वास्थ्य के विषय पर खुलकर बातचीत करने तथा महिलाओं को बिना किसी डर, झिझक या सामाजिक संकोच के चिकित्सकीय सहायता लेने के लिए प्रेरित करना इसका प्रमुख उद्देश्य है।

अस्पताल को गुलाबी रोशनी से सजाना केवल एक प्रतीकात्मक पहल नहीं है, बल्कि यह स्तन कैंसर का उपचार करा रही महिलाओं, कैंसर से उबर चुकी महिलाओं और उनके परिवारों के लिए आशा एवं साहस का संदेश भी है। यह पहल जागरूकता और समय पर बीमारी की पहचान के महत्व को रेखांकित करती है, जिससे उपचार के बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

विशेषज्ञों की टीम के साथ व्यापक कैंसर उपचार सुविधाएं-रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट अनुभवी कैंसर विशेषज्ञों की बहु-



विषयक टीम के माध्यम से व्यापक कैंसर उपचार सुविधाएं प्रदान करता है। यहां सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के विशेषज्ञ मिलकर मरीजों को व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप उपचार उपलब्ध कराते हैं।

इस विशेषज्ञ टीम में शामिल हैं :- डॉ. मौ रॉय — वरिष्ठ सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट एवं क्लिनिकल डायरेक्टर, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी। डॉ. नवीन जैन — वरिष्ठ मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट एवं विभागाध्यक्ष, मेडिकल ऑन्कोलॉजी। डॉ. गौरव गुप्ता — वरिष्ठ रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट एवं विभागाध्यक्ष, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी। डॉ. नवीन जैन — वरिष्ठ सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट। डॉ. नीरू केरकेट्टा — वरिष्ठ सलाहकार, न्यूक्लियर मेडिसिन। रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट अनुभवी कैंसर विशेषज्ञों की एक टीम के माध्यम से व्यापक एवं बहुविषयक कैंसर उपचार सेवाएं प्रदान करता है। यहाँ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, मेडिकल

नेटफिलक्स अगले सप्ताह अपने करीब 5 प्रतिशत कर्मचारियों की कर सकती है छंटनी : रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वीडियो स्ट्रीमिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी नेटफिलक्स अपने करीब 5 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है। इस कदम से कंपनी में सैकड़ों नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। यह जानकारी मामले से जुड़े सूत्रों की ओर से रिपोर्ट में दी गई।

पक न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी अगले सप्ताह की शुरुआत में ही छंटनी की आधिकारिक घोषणा कर सकती है। पिछले साल के अंत में कंपनी में लगभग 16,000 कर्मचारी थे।

नेटफिलक्स में छंटनी का पिछला बड़ा दौर 2022 में आया था, जब कंपनी ने धीमी वृद्धि और सब्सक्राइबर की संख्या में गिरावट के बीच सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरियां खत्म कर दी थीं।

यह छंटनी ऐसे समय में किए जाने पर विचार किया जा रहा है, जब स्ट्रीमिंग उद्योग में नेटफिलक्स को बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। मीडिया कंपनियां एकीकरण कर रही हैं, जबकि गूगल के स्वामित्व वाला यूट्यूब दर्शकों और विज्ञापन



में नेटफिलक्स को बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। मीडिया कंपनियां एकीकरण कर रही हैं, जबकि गूगल के स्वामित्व वाला यूट्यूब दर्शकों और विज्ञापन

भारतीय शेयर बाजार अन्य क्षेत्रीय बाजारों की तुलना में कर सकता है अच्छा प्रदर्शन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार इस साल डॉलर में 15.6 प्रतिशत गिरने के बाद भी अन्य क्षेत्रीय बाजारों की तुलना में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। साथ ही, अगले वित्त वर्ष में कॉरपोरेट आय में 17 प्रतिशत तक की बढ़त हो सकती है।

जेफरीज के इक्विटी स्ट्रैटेजी के ग्लोबल हेड क्रिस वुड द्वारा तैयार की गई 'एशिया मैक्सिमा' रिपोर्ट में एमएससीआई एसी एशिया पैसिफिक (जापान को छोड़कर) इंडेक्स में 10.5 प्रतिशत के वेटेज के मुकाबले भारत के लिए 12 प्रतिशत आवंटन की सिफारिश की गई थी।

स्थानीय मुद्रा में निफ्टी 13.4 प्रतिशत नीचे है और इंडोनेशिया (जिसमें 42.3 प्रतिशत की गिरावट आई है) के बाद दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला मार्केट है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की



संरचनात्मक विकास की कहानी बरकरार है और डेटा भी मजबूत बना हुआ है। वुड का मानना ​​है कि वित्त वर्ष 27 में भारत की रियल जीडीपी वृद्धि दर 6.5-7 प्रतिशत के बीच रह सकती है। वहीं, नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 11-12 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष में कॉरपोरेट आय वृद्धि दर 14 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में यह 17 प्रतिशत रहने की

10 में से 8 फाइनेंशियल प्लानर एआई को अपनाने की कर रहे तैयारी: रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। फाइनेंशियल प्लानिंग की 10 में से 8 कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल कर रही हैं या अगले 12 महीनों के भीतर इसे अपनाने की योजना बना रही हैं। पिछले वर्ष यह आंकड़ा 10 में से 6 का था। यह जानकारी शनिवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एफपीएसबी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, एआई तेजी से इस पेशे का अभिन्न हिस्सा बन रहा है और पहले से ही काम करने की क्षमता और दक्षता बढ़ाने में मदद कर रहा है। भारत सहित 37 देशों के 8,000 से अधिक फाइनेंशियल प्लानर्स के वैश्विक सर्वेक्षण पर आधारित निष्कर्षों में पाया गया कि 93 प्रतिशत फाइनेंशियल प्लानर ने कामकाज की दक्षता में सुधार महसूस किया, 52 प्रतिशत ने परिचालन दक्षता बढ़ने की बात कही और 49 प्रतिशत ने कहा कि वे अधिक ग्राहकों को सेवाएं देने में सक्षम हैं। एफपीएसबी इंडिया की सीईओ रमेश विश्वनाथन ने कहा,



‘एआई वित्तीय जानकारी तैयार करने, उस तक पहुंच बनाने और उसके इस्तेमाल के तरीके को तेजी से बदल रहा है। हालांकि, यह तकनीक दक्षता बढ़ाने और वित्तीय नियोजन तक पहुंच का विस्तार करने के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है, लेकिन केवल जानकारी पर्याप्त नहीं है।’

उन्होंने आगे कहा, ‘वित्तीय फैसलों के लिए संदर्भ, विवेक और किसी व्यक्ति के लक्ष्यों, प्राथमिकताओं तथा परिस्थितियों की समझ जरूरी है। जैसे-जैसे एआई का इस्तेमाल बढ़ रहा है, उपभोक्ताओं को जानकारी को सीईओ रमेश विश्वनाथन ने कहा,

संदर्भ में समझने और सोच-समझकर फैसले लेने में मदद करने की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।’

करीब 70 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना ​​था कि एआई उन आबादी के लिए वित्तीय नियोजन तक पहुंच बेहतर बना सकता है, जिन्हें अब तक पर्याप्त सेवाएं नहीं मिल पाती हैं। वहीं, 68 प्रतिशत को उम्मीद है कि इससे सेवाओं की लागत कम करने में मदद मिलेगी।

करीब 83 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना ​​था कि एआई उन्हें ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने में मदद करेगा।

को रुपए से जुड़े किसी भी फॉरेन एक्सचेंज डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट को दोबारा बुक करने की इजाजत नहीं देंगे – चाहे वह डिलीवरेबल हो या नॉन-डिलीवरेबल – जिसे इन निर्देशों के जारी होने के बाद किसी अधिकृत डीलर के साथ कैसिल किया गया हो।' इसने सभी अधिकृत डीलरों के लिए बिना अंडरलाइंग एक्सपोजर के फॉरेन एक्सचेंज डेरिवेटिव ट्रांजेक्शन करने की सीमा को घटाकर 5 मिलियन डॉलर के बराबर कर दिया।

इसके अलावा, 2 मिलियन डॉलर से ज्यादा की नोशनल वैल्यू वाले रुपए से जुड़े सभी फॉरेन एक्सचेंज डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए, अधिकृत डीलरों को रिजर्व बैंक के पास 'फॉरेन एक्सचेंज रिस्क रिजर्व' बनाए रखना होगा। यह रिजर्व हर ट्रांजेक्शन की नोशनल वैल्यू के भारतीय रुपए में मूल्य के 20 प्रतिशत के बराबर नकद के रूप में बनाए रखना होगा।

क्या बालों के लिए भी जरूरी है कॉलेजन? जानें त्वचा से लेकर हड्डियों तक शरीर में क्या करता है ये प्रोटीन



कॉलेजन को अक्सर जवां त्वचा और मजबूत बालों से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह शरीर में और भी कई जरूरी काम करता है? स्किन टाइटनिंग से लेकर हड्डियों और जोड़ों को सहारा देने तक, कॉलेजन की अहम भूमिका होती है. जानिए कॉलेजन क्या है, यह बालों के लिए कितना जरूरी है और इसकी कमी से क्या असर पड़ सकता है.

कफ़ी चर्चा होती है. इसे त्वचा को जवां रखने, झुर्रियां कम करने और बालों को मजबूत बनाने से जोड़कर देखा जाता है. बाज़ार में कॉलेजन पाउडर, कैप्सूल और ड्रिंक्स भी उपलब्ध हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि कॉलेजन हमारे शरीर में पहले से मौजूद होता है और कई जरूरी काम करता है? आइए जानते हैं कि कॉलेजन क्या है, यह शरीर के लिए क्यों जरूरी है और बालों की सेहत में इसकी क्या भूमिका हो सकती है.

Publishing की रिपोर्ट के अनुसार, कॉलेजन शरीर में पाया जाने वाला एक जरूरी प्रोटीन है. यह त्वचा, हड्डियों, मांसपेशियों, नसों और जोड़ों के आसपास मौजूद टिशू को मजबूती और सहारा देने में मदद करता है. आसान भाषा में समझें तो कॉलेजन शरीर के कई हिस्सों को संरचना देने वाले ढांचे की तरह काम करता है. उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कॉलेजन का उत्पादन धीरे-धीरे कम होने लगता है. इसका असर त्वचा की कसावट और

लचीलेपन पर पड़ सकता है. हालांकि, उम्र के अलावा धूप में ज्यादा रहना और धूम्रपान जैसी आदतें भी त्वचा में कॉलेजन को नुकसान पहुंचा सकती हैं.

त्वचा के लिए क्या करता है कॉलेजन?

त्वचा को मजबूत और लचीला बनाए रखने में कॉलेजन की अहम भूमिका होती है. यह त्वचा की अंदरूनी परत को सहारा देता है. उम्र बढ़ने के साथ कॉलेजन में कमी आने पर त्वचा में झुर्रियां और ढीलापन नज़र आ सकता है. कुछ रिसर्च में कॉलेजन सप्लीमेंट लेने से त्वचा की नमी और लचीलेपन में सुधार के संकेत मिले हैं. हालांकि, इसके नतीजे हर व्यक्ति में एक जैसे नहीं होते और सप्लीमेंट के फायदे को लेकर अभी और अच्छी क्वालिटी की रिसर्च की जरूरत है. सिर्फ कॉलेजन लेने से त्वचा हमेशा जवां बनी रहेगी, ऐसा मानना सही नहीं है.

क्या बालों के लिए भी जरूरी है कॉलेजन?

बालों की सेहत में भी कॉलेजन की भूमिका हो सकती है, लेकिन यहाँ एक बात समझना जरूरी है. बालों का मुख्य हिस्सा कॉलेजन नहीं, बल्कि केराटिन नाम का प्रोटीन होता है. केराटिन बालों की बनावट

का प्रमुख हिस्सा है. कॉलेजन में मौजूद अमीनो एसिड शरीर को प्रोटीन बनाने के लिए जरूरी तत्व उपलब्ध कराते हैं. लेकिन अभी इस बात के पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण नहीं हैं कि कॉलेजन सप्लीमेंट लेने से बाल तेज़ी से बढ़ते हैं, ज्यादा घने होते हैं या उनका झड़ना रुक जाता है. इसलिए अगर आपके बाल झड़ रहे हैं, तो केवल कॉलेजन की कमी को इसकी वजह मानना सही नहीं होगा. आयरन की कमी, थायरॉइड से जुड़ी समस्या, तनाव, हार्मोनल बदलाव और पर्याप्त पोषण न मिलना भी बाल झड़ने के कारण हो सकते हैं.

हड्डियों और जोड़ों के लिए भी अहम है कॉलेजन

कॉलेजन सिर्फ त्वचा और बालों तक सीमित नहीं है. यह हड्डियों को लचीलापन देने वाले ढांचे का हिस्सा है. हड्डियों में मौजूद मिनरल्स उन्हें कठोरता देते हैं, जबकि कॉलेजन उन्हें मजबूती के साथ कुछ लचीलापन भी देता है. इसके अलावा, कॉलेजन जोड़ों के कार्टिलेज, टेंडन और लिगामेंट जैसे टिशू में भी पाया जाता है. कुछ अध्ययनों में कॉलेजन सप्लीमेंट से घुटनों के अस्टियोआर्थराइटिस से जुड़े दर्द में संभावित सुधार देखा गया है।

बाजार से क्यों खरीदें मूंगफली का तेल, भुनी मूंगफली, गर्म पानी और कपड़ा... बिना मशीन ऐसे निकलेगा घर का तेल



घर पर मूंगफली का तेल निकालने के लिए मशीन की जरूरत नहीं पड़ती. भुनी मूंगफली को पीसकर गर्म पानी के साथ गंधने और कपड़े से छानने से तेल अलग किया जा सकता है. बची खली से परांठे या लड्डु भी बनाए जा सकते हैं. बाजार से तेल की बौतल खरीदना तो आसान है, लेकिन जब बात शुद्धता और घर के स्वाद की आती है तो मन में कई सवाल उठते हैं. खासकर व्रत के दिनों में इस्तेमाल होने वाली चीजों को लेकर लोग थोड़े ज्यादा सजग रहते हैं. मूंगफली का तेल भी फलाहारी पकवानों में खुब इस्तेमाल किया जाता है. ऐसे में अगर आपके पास अच्छी मूंगफली है तो इसे घर पर तेल में बदलने का तरीका जानना दिलचस्प हो सकता है.

इसके लिए किसी ऑयल प्रेस

या खास मशीन की जरूरत नहीं है. मिक्सर, थोड़ा गर्म पानी और सूती कपड़े की मदद से यह काम किया जा सकता है. इस तरीके में तेल निकालने के बाद बची मूंगफली की खली भी काम आ सकती है. घर पर मूंगफली का तेल निकालने के लिए क्या चाहिए इस तरीके के लिए अच्छी क्वालिटी की कच्ची मूंगफली लें. इसके अलावा मिक्सर, थोड़ा गर्म पानी और साफ सूती या मलमल का कपड़ा रखें. मूंगफली ताजी होनी चाहिए और उसमें सीलन, बासीपन या खराब गंध नहीं होनी चाहिए. इस्तेमाल से पहले दानों को ध्यान से जांच लेना बेहतर रहेगा.

मूंगफली को सही तरह भूना
जुरूरी
करीब 500 ग्राम कच्ची मूंगफली लें और उसके छिलके

सहित उसे भारी तले वाली कड़ाही में डालें. मीडियम से धीमी आंच पर लगातार चलाते हुए भूनें. जब छिलका सुनहरा होने लगे और आसानी से अलग होने लगे तो गैस बंद कर दें. मूंगफली को बहुत ज्यादा भूरा करने से बचें. ज्यादा भुनने पर तेल में जली हुई महक आ सकती है. वहीं कम भुनी मूंगफली से कच्चेपन की गंध रह सकती है. भूनने के बाद इसे अच्छी तरह ठंडा होने दें.

मिक्सर में पीसकर तैयार करें मूंगफली का पेस्ट

ठंडी मूंगफली को कपड़े में रखकर हल्के हाथ से रगड़ें और छिलके अलग कर लें. अब साफ दानों को मिक्सर जार में डालें. यहां एक बात का ध्यान रखना जरूरी है. मिक्सर को लगातार चलाने के बजाय पल्स मोड में इस्तेमाल करें. मूंगफली को छोटे-छोटे अंतराल में पीसते रहें. धीरे-धीरे इसका रूप पाउडर से बदलकर गाढ़े पेस्ट जैसा होने लगेगा. पेस्ट में हल्की चमक दिखने लगे तो समझ सकते हैं कि मूंगफली से तेल निकलना शुरू हो गया है.

गर्म पानी डालकर निकालें तेल अब मूंगफली के पेस्ट को किसी बड़ी प्लेट या परात में निकाल लें. इसमें थोड़ा-थोड़ा गर्म पानी डालते हुए हाथों से अच्छी तरह गूंधें. पानी एक साथ ज्यादा डालने की जरूरत नहीं है।

भारत के ऐतिहासिक स्मारक, जिन्हें महिलाओं ने बनवाया, खूबसूरती देख रह जाएंगे हैरान



भारत में कई ऐतिहासिक स्मारक ऐसी महिलाओं ने बनवाए, जिनके नाम के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं. गुजरात की रानी की वाव से लेकर दिल्ली के हुमायूं के मकबरे तक, इन इमारतों में महिलाओं की सोच, कला और वास्तुकला के प्रति उनकी समझ की झलक मिलती है. जानिए ऐसे ही 5 ऐतिहासिक स्मारकों के बारे में.

जब भी भारत के ऐतिहासिक स्मारकों की बात होती है, तो अक्सर राजा-महाराजाओं के नाम सामने आते हैं. लेकिन इतिहास में कई ऐसी महिलाएं भी रही हैं, जिन्होंने शानदार इमारतें बनवाकर अपनी पहचान छोड़ी. किसी ने अपने पति की याद में स्मारक बनवाया, तो किसी ने अपने शासन के दौरान मस्जिद और दूसरी इमारतों का निर्माण करवाया. आज हम आपको भारत के ऐसे ही 5 ऐतिहासिक स्मारकों के बारे में बता रहे हैं, जिनके निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका रही है.

रानी की वाव, गुजरात

गुजरात के पाटन में स्थित रानी की वाव भारत की सबसे खूबसूरत बावडि़यों में से एक है. इसका निर्माण 11वीं सदी में रानी उदयमती ने अपने पति राजा भीमदेव प्रथम की याद में करवाया था. इसे पानी के महत्व को दर्शाने वाले एक उत्कटे मंदिर की तरह बनाया गया था. इस बावड़ी की सबसे खास बात इसकी बारीक नक्काशी है. इसमें सीढ़ियों के सात स्तर हैं. दीवारों और खंभों पर देवी-देवताओं, धार्मिक कथाओं और रोजमर्रा की ज़िंदगी से जुड़ी आकृतियां बनाई गई हैं. यहां 500 से ज्यादा मुख्य मूर्तियां और 1,000 से ज्यादा छोटी मूर्तियां मौजूद हैं।

शादी के बाद कपल अब एक-दूसरे को गिफ्ट नहीं, ‘अनपैक्ड डे’ दे रहे हैं क्या है यह नया रिलेशनशिप ट्रेंड?



‘अनपैक्ड डे’ का आइडिया मंहगे गिफ्ट या बड़ी डेट के बजाय पार्टनर के साथ सुकून से समय बिताने पर केंद्रित है. कपल साथ खाना बना सकते हैं, बातें कर सकते हैं या टहलने जा सकते हैं. यह कोई जरूरी रिलेशनशिप नियम नहीं, बल्कि एक-दूसरे को समय देने का तरीका है.

शादी के बाद ज़िंदगी में काम, घर और परिवार की ज़िम्मेदारियां कपल बिना किसी खास एजेंडे के साथ वक्त बिताते हैं. हालांकि, इसे किसी स्थापित रिलेशनशिप ट्रेंड के

सुकून से बैठकर बात नहीं कर पाते. खास मौकों पर गिफ्ट देना, बाहर डिनर करना या सप्ताहांज प्लान करना अच्छा लगता है, लेकिन क्या रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए हर बार कुछ खरीदना जरूरी है?

इसी सवाल से जुड़ा एक आइडिया है ‘अनपैक्ड डे’, जिसमें मंहगे तोहफों के बजाय एक-दूसरे को समय देने पर जोर है. इस दिन कपल बिना किसी खास एजेंडे के साथ वक्त बिताते हैं. हालांकि, इसे किसी स्थापित रिलेशनशिप ट्रेंड के

बजाय साथ समय बिताने के एक तरीके के रूप में समझना बेहतर है.

क्या होता है ‘अनपैक्ड डे’?

‘अनपैक्ड डे’ का कोई तय नियम या आधिकारिक रिलेशनशिप फॉर्मूला नहीं है. यहां इसका मतलब ऐसे दिन से है, जब कपल रोजमर्रा की भागदौड़ से थोड़ा ब्रेक लेकर एक-दूसरे पर ध्यान देते हैं. इस दौरान काम, फोन और सोशल मीडिया को कुछ समय के लिए किनारे रखा जा सकता है. इसके लिए किसी मंहगे होटल, रेस्टोरेंट या

लंबी ट्रिप की जरूरत नहीं होती. घर पर साथ खाना बनाना, पुरानी तस्वीरें देखना, बालकनी में बैठकर बातें करना या शाम को टहलने निकलना भी इस दिन का हिस्सा हो सकता है. मकसद दिन को खास बनाने के लिए बड़ा प्लान करना नहीं, बल्कि साथ बिताए समय को बेहतर बनाना है.

गिफ्ट की जगह समय देने का आइडिया क्यों है खास?

शादी के शुरुआती दिनों में कपल एक-दूसरे के साथ ज्यादा समय बिताते हैं. लेकिन धीरे-धीरे नौकरी, घर के काम, बच्चों की ज़िम्मेदारियां और दूसरी जरूरतें दिनचर्या का हिस्सा बन जाती हैं. कई बार बातचीत भी जरूरी कामों तक सिमट जाती है. ऐसे में साथ समय बिताने के लिए अलग से वक्त निकालना रिश्ते में बातचीत का मौका दे सकता है. गिफ्ट देना या डेट पर जाना गलत नहीं है. लेकिन रिश्ते में एक-दूसरे की बातें सुनना, दिन कैसा रहा यह पूछना और बिना किसी जल्दबाजी के साथ बैठना भी मायने रखता है. हालांकि, सिर्फ एक दिन साथ बिताने से रिश्ते की हर परेशानी दूर हो जाएगी, ऐसा नहीं है. रिश्ते में जुड़ाव बनाए रखने के लिए नियमित बातचीत, भरोसा और एक-दूसरे की जरूरतों को समझना भी जरूरी है।

हर साल दुर्गा पूजा पर पहनती हैं लाल साड़ी? भीड़ से अलग दिखना है तो ट्राई करें गॉर्जियस कलर्स



दुर्गा पूजा का त्योहार आते ही हर तरफ रौनक, ढाक की आवाज और पंडालों में रौनक नज़र आने लगती है. इस फेस्टिवल के मौके पर बंगाली परंपरा और फेस्टिव फैशन का एक अलग ही मेल देखने को मिलता है. जब भी दुर्गा पूजा की बात होती है, तो सबसे पहले दिमाल में लाल रंग की सिल्क या कॉटन साड़ी का ख्याल आता है. हालांकि लाल रंग बेहद शुभ और पारंपरिक माना जाता है, लेकिन अगर आप हर साल लाल साड़ी ही पहनती आ रही हैं और इस बार कुछ नया, यूनिक और गॉर्जियस ट्राई करना चाहती हैं, तो यह खबर आपके लिए ही है.

पीला रंग खुशी, सकारात्मकता और त्योहार की नई उमंग का प्रतीक माना जाता है. सुबह की अंजलि या पंडालों में भोग के समय मस्टर्ड येलो सिल्क या कॉटन साड़ी आपको एक बहुत ही फ्रेश और एथनिक लुक देगी. इस साड़ी को आप लाल रंग के कंट्रास्ट ब्लाउज और बालों में ताजे गजरे के साथ स्टाइल कर सकती हैं.

अगर आप शाम की आरती या दोस्तों के साथ पंडाल हॉपिंग पर जाने का प्लान कर रही हैं, तो रॉयल ब्लू एक परफेक्ट और बेहद क्लासी चॉइस है. पंडाल की रंग-बिरंगी लाइट्स में यह रंग खिलकर सामने आता है. रॉयल ब्लू बनारसी या कांजीवरम साड़ी के साथ ऑक्सीडाइज्ड या सिल्वर ज्वेलरी बहुत ही एलिगेंट लगती है.

हरा रंग समृद्धि और नई शुरुआत को दर्शाता है. दुर्गा पूजा के दौरान एमराल्ड या ब्राउन ग्रीन सिल्क साड़ी गोल्डन जरी बॉर्डर के साथ बेहद रॉयल और हैवी लुक देती है. इसे ट्रेडिशनल गोल्ड ज्वेलरी के साथ पेयर करके आप किसी महारानी से कम नहीं लगेंगी।

रोज-रोज की सब्जी से हो गए हैं बोर? 15 मिनट में बनाएं चटपटी आलू भुर्जी, पूरी-कचौड़ी के साथ टेस्ट डबल

अगर रोजाना एक जैसी सब्जी खाकर बोर हो गए हैं और कुछ चटपटा खाने का मन कर रहा है, तो आलू भुर्जी एक बढ़िया विकल्प है. आलू, प्याज, टमाटर और मसालों से तैयार होने वाली यह देसी डिश बनाने में आसान है. राहुल राज ने बताया कि उनकी मां घर पर किस तरह स्वादिष्ट आलू भुर्जी बनाती थीं. जानिए इसकी आसान रेसिपी और बनाने का पूरा तरीका.

रोजाना एक जैसी सब्जी खाकर बोर हो गए हैं और कुछ चटपटा खाने का मन कर रहा है, तो आलू की भुर्जी बना सकते हैं. आलू से बनने वाली यह देसी डिश स्वाद में लाजवाब होती है. इसे बनाने के लिए आलू के साथ प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और कुछ मसालों की जरूरत होती है. गरमागरम आलू भुर्जी को पूरी, कचौड़ी या रोटी के साथ खाया जा सकता है.

आलू भुर्जी की खास बात यह है कि इसे बनाने में ज्यादा समय



नहीं लगता. करीब 10 से 15 मिनट में यह चटपटी सब्जी तैयार हो सकती है. राहुल राज बताते हैं कि उन्होंने अपनी मां से आलू भुर्जी बनाने का देसी तरीका सीखा है.

जब घर में कोई दूसरी सब्जी नहीं होती थी या कुछ चटपटा खाने का मन करता था, तब उनकी मां आलू भुर्जी बनाती थीं.

राहुल राज के मुताबिक, चार

लोगों के लिए आलू भुर्जी बनाने के लिए करीब आधा किलो आलू की जरूरत होगी. इसके अलावा चार से पांच प्याज, दो टमाटर, हरी मिर्च, हरा धनिया, सरसों का तेल और

जीरा लें. स्वाद बढ़ाने के लिए चाट मसाला और सब्जी मसाला भी इस्तेमाल कर सकते हैं. अगर आपको तीखा खाना पसंद है, तो इसमें लाल मिर्च भी डाल सकते हैं.

सबसे पहले आलू को अच्छी तरह धोकर उबाल लें. उबलने के बाद आलू को छीलकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें. अब प्याज, टमाटर और हरी मिर्च को बारीक काटकर रख लें. इसके बाद कड़ाही में सरसों का तेल गर्म करें और उसमें जीरा डालें. जीरा चटकने लगे, तो बारीक कटा प्याज डालकर अच्छी तरह भूत लें. प्याज भुनने के बाद कड़ाही में टमाटर और हरी मिर्च डालें. इन्हें अच्छी तरह पकने दें, ताकि टमाटर नरम हो जाएं. इसके बाद उबले हुए आलू डालकर सभी सामग्री को अच्छी तरह मिला लें. अब स्वादानुसार नमक और चाट मसाला, सब्जी मसाला व लाल मिर्च डाल सकते हैं.

राहुल राज के मुताबिक, आलू डालने के बाद कड़ाही को ढककर करीब दो से तीन मिनट तक पकाएं. फिर ढक्कन हटाकर सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें और दो मिनट तक दोबारा पकने

दें. इससे आलू में मसालों का स्वाद अच्छी तरह समा जाएगा. जब आलू भुर्जी अच्छी तरह पक जाए, तो ऊपर से बारीक कटा हरा धनिया डाल दें. इससे सब्जी का स्वाद और खुशबू बढ़ जाती है.

गरमागरम आलू भुर्जी को पूरी, कचौड़ी, रोटी या दाल-चावल के साथ परोस सकते हैं. कम समय में तैयार होने वाली यह देसी रेसिपी रोजाना के खाने में स्वाद का नया तड़का लगा सकती है।





जया बच्चन के सपोर्ट में आई तनीषा मुखर्जी

पैपराजी को दी उनसे दूर रहने की नसीहत

मुंबई । हर साल की तरह इस साल भी मुंबई में 'नॉर्थ बॉम्बे दुर्गा पूजा' का भव्य आयोजन होने जा रहा है। दुर्गा पूजा के दौरान बॉलीवुड हस्तियां माता रानी का आशीर्वाद लेने आती हैं। हाल ही में काजोल की छोटी बहन और अभिनेत्री तनिषा मुखर्जी ने पैप्स से अपील कि की बह दुर्गा पूजा के समय अभिनेत्री जया बच्चन को परेशान न करें।

दुर्गा पूजा के एक इवेंट में मीडिया से बात करते हुए तनिषा ने कहा, "मैं देख रही हूँ कि आप लोग जया आंटी को बहुत परेशान कर रहे हैं। मैं देखती हूँ कि आपके कुछ रिपोर्ट्स जानबूझकर उन्हें उकसाने की कोशिश करते हैं, तो मेरी आप सभी से रिक्वेस्ट है कि हमारी दुर्गा पूजा में ऐसा मत कीजिएगा।"

तनिषा मुखर्जी ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, "हमारी जया आंटी को परेशान मत कीजिए, ओके?" इतना ही नहीं, तनिषा ने भीड़ को लेकर भी लोगों से अपील की। उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान पंडाल में लाखों लोग आते हैं, इसलिए धक्का-मुक्की न करें, एक-दूसरे का ख्याल रखें और थोड़ी शिष्टता और ईंसानियत बनाए रखें।

“हमारी जया आंटी को परेशान मत कीजिए, ओके?”

– तनिषा मुखर्जी



जया बच्चन और पैपराजी के बीच अक्सर रहती है नोकझोंक

जया कई बार पब्लिक में फोटो खींचने पर नाराजगी जता चुकी हैं। वहीं, जया बच्चन भी हर साल इस दुर्गा पूजा पंडाल में आती हैं और तनुजा मुखर्जी परिवार के साथ उनका काफी पुराना और करीबी रिश्ता है।

मुखर्जी परिवार के लिए पूजा का खास महत्व

नॉर्थ बॉम्बे सार्वजनिक दुर्गा पूजा मुंबई की सबसे पुरानी और भव्य पूजाओं में से एक है, जिसकी स्थापना 1948 में अभिनेत्री काजोल और निर्देशक अयान मुखर्जी के दादा पदमश्री शशधर मुखर्जी और उनकी पत्नी सतीरानी मुखर्जी ने की थी।

अयान मुखर्जी, अभिनेत्री काजोल और तनिषा मुखर्जी के चचेरे भाई हैं। अयान मुखर्जी के पिता (देब मुखर्जी) और काजोल के पिता (शोमू मुखर्जी) सगे भाई थे।



ऐसे शुरू हुई थी पूजा

पहली पूजा सांताक्रूज के श्री मंडल हॉल में हुई थी, तब से यह सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से और भी बड़ी होती चली गई। यह मुंबई के सबसे पुराने और भव्य दुर्गा पूजा आयोजनों में से एक है, जिसे पहले काजोल के चाचा और अयान मुखर्जी के पिता देब मुखर्जी संभालते थे। उनके निधन के बाद पूरा परिवार मिलकर इस परंपरा को आगे निभा रहा है।

हिमेश रेशमिया ने बिग बी को 84वें जन्मदिन से पहले दी बधाई: भारतीय पर्दे पर अब तक के सबसे बड़े सुपरस्टार



विश्व केसरी■

मुंबई। संगीतकार और गायक हिमेश रेशमिया ने महानायक अमिताभ बच्चन को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन को एक जीवित किंवदंती

बताते हुए भारतीय सिनेमा का अब तक का सबसे बड़ा सुपरस्टार करार दिया।

सिनेमा के प्रतिष्ठित सितारे को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए हिमेश रेशमिया ने कहा, 'प्रिय

बच्चन साहब, आप हमारी जीवित किंवदंती हैं, भारतीय सिनेमा ने अब तक का सबसे बड़ा सुपरस्टार आपके रूप में देखा है। हम आपसे बहुत प्यार करते हैं बच्चन साहब और आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं।'

दिग्गज अभिनेता से अपना स्नेह और आशीर्वाद बनाए रखने की अपील करते हुए हिमेश ने कहा, 'आपका प्यार, आपका आशीर्वाद हमें हमेशा मिलता रहे। हम आपसे प्यार करते हैं। जय माता दी, लेट्स रॉक...।'

शो में वापसी करने वाले प्रतियोगियों में अभिजीत सावंत, सलमान अली, अमित साना, प्राजक्ता शुक्ले, ऋषि सिंह और सायली कांबले जैसे लोकप्रिय नाम शामिल हैं।

हिमेश अपनी विशिष्ट संगीत शैली और संगीतकार, पार्श्वगायक तथा टेलीविजन मॉडर के रूप में लंबे अनुभव के लिए जाने जाते हैं। वह कई सीजन में इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रह चुके हैं।

उन्होंने 1990 के दशक के उत्तरार्ध में संगीतकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। उनकी शुरुआती फिल्मों में 'प्यार किया तो डरना क्या' शामिल है। इसके बाद उन्होंने कई सफल हिंदी फिल्मों के लिए संगीत तैयार किया और फिर पार्श्वगायक के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई। 'तेरे नाम', 'आशिक बनाया आपने' और अन्य लोकप्रिय बॉलीवुड फिल्मों के गीतों ने उन्हें 2000 के दशक की सबसे प्रभावशाली संगीत हस्तियों में शामिल कर दिया। उनकी विशिष्ट आवाज और संगीत शैली ने उन्हें अलग पहचान दिलाई।

साल 2006 में आए उनके एल्बम 'आप का सुरू' ने भी उन्हें

एकल कलाकार के रूप में बड़ी सफलता दिलाई। यह एल्बम अपने दौर के सबसे सफल भारतीय पॉप एल्बमों में से एक साबित हुआ।

'इंडियन आइडल' भारत के सबसे लोकप्रिय रियलिटी सिंगिंग शो में से एक है। यह अंतरराष्ट्रीय 'आइडल' प्रारूप पर आधारित है। वर्ष 2004 में भारतीय टेलीविजन पर शुरू हुए इस शो ने देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले उभरते गायकों को अपनी गायन प्रतिभा दिखाने का बड़ा मंच प्रदान किया है। वर्षों के दौरान इस शो ने आवाज और संगीत शैली ने उन्हें मोनाली ठाकुर सहित कई सफल पार्श्वगायकों के करियर को नई दिशा दी है।

रेखा के जन्मदिन पर इंडस्ट्री ने लुटाया प्यार, शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा-खूबसूरती और स्टाइल की मिसाल

विश्व केसरी■

मुंबई। हिंदी सिनेमा की सदाबहार अभिनेत्री रेखा शनिवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर फिल्म इंडस्ट्री के उनके दोस्तों और चाहने वालों ने उन्हें जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं और उनके साथ बिताए अपने शानदार पलों को भी याद किया।

अभिनेता और राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने अभिनेत्री रेखा को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभिनेत्री की कई तस्वीरें पोस्ट कीं। ये तस्वीरें उन कार्यक्रमों और फिल्मों की हैं जो दोनों ने साथ में की हैं। उन्होंने अपनी इस पोस्ट के जरिए अभिनेत्री के बेहतर स्वास्थ्य और खुश रहने की कामना की। उन्होंने लिखा, 'जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं और बहुत सारा प्यार। आप खूबसूरती और स्टाइल की मिसाल हैं। भगवान करें आप हमेशा स्वस्थ और खुश रहें।'

दिग्गज अभिनेत्री और राजनेता हेमा मालिनी ने अपनी पुरानी दोस्त और अभिनेत्री रेखा को 72वें जन्मदिन पर बधाई देते हुए इंस्टाग्राम पर उनके साथ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें दोनों अभिनेत्रियां एक साथ मुस्कराते हुए पोज दे रही हैं। हेमा मालिनी ने अपनी इस पोस्ट के जरिए न सिर्फ रेखा को याद किया बल्कि उनके खुश, स्वस्थ और समृद्ध रहने की कामना की।



अभिनेत्री ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो प्यारी रेखा। भगवान तुम्हें हमेशा खुशी, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि दे।' अभिनेता चंकी पांडे ने भी रेखा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अभिनेत्री की तस्वीर शेयर कर लिखा, 'जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं रेखा जी।'

रेखा भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने 200 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है और उन्हें एक नेशनल

फिल्म अवॉर्ड सहित कई पुरस्कार मिल चुके हैं। अपने करियर के दौरान रेखा ने कई बार खुद को नए रूप में पेश किया है और अपनी लोकप्रियता को बरकरार रखा है। मुख्य अभिनेत्री के तौर पर उनकी पहली फिल्म कन्नड़ फिल्म 'ऑपरेशन जैकपोट नल्ली सीआईडी 999' थी। हिंदी सिनेमा में उन्होंने 'सावन भादों' से डेब्यू किया था। उन्हें शुरुआती पहचान 1978 में 'घर' और 'मुकद्दर का सिकंदर' फिल्मों में उनके अभिनय के लिए मिली।

‘जिंदगी में सब बदल गया था’ मंजिमा मोहन ने 10 साल बाद शुरू की भरतनाट्यम प्रैक्टिस



विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेत्री मंजिमा मोहन भारतीय सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जो अभिनय के साथ शास्त्रीय नृत्य कला में भी निपुण हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने फिर से भरतनाट्यम सीखना शुरू कर दिया है।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह भरतनाट्यम करती नजर आ रही हैं। मंजिमा मोहन ने लिखा, 'मेरी मां ने मुझे 6 साल की उम्र में भरतनाट्यम से मिलवाया था, वो खुद भी एक ट्रेड डांसर हैं। मैंने 10 साल की उम्र

के आसपास गुरुवायूर में अपना पहला अरंगेत्रम किया था और कॉलेज तक सीखना जारी रखा। और फिर किसी तरह जिंदगी में सब कुछ बदल गया और लगभग 10 साल तक मैंने प्रैक्टिस नहीं की।' आगे उन्होंने लिखा, 'बीच में मैंने सेमी-क्लासिकल डांस किया लेकिन भरतनाट्यम में वापस जाने से हमेशा हिचकिचाती रही क्योंकि मेरी प्रैक्टिस बिल्कुल छूट गई थी। तो ये बहुत लंबे समय बाद एक छोटी सी कोशिश है और मैं लगभग भूल ही गई थी कि मुझे ये करना कितना पसंद है।

मुझे इस बात का अफसोस है कि मैंने इतने लंबे समय तक इतनी खूबसूरत कला को छोड़ दिया, लेकिन मुझे बहुत खुशी है कि मैं फिर से इसमें वापस आ रही हूँ। आगे और भी बहुत कुछ करना है।

अभिनेत्री ने डांस के लिए अपनी गुरु को धन्यवाद भी दिया और लिखा, 'इस खूबसूरत डांस को सिखाने और मुझे कोशिश करने के लिए प्रेरित करने के लिए मास्टर आपका धन्यवाद।'

बता दें कि मंजिमा मोहन मुख्य रूप से तमिल, मलयालम और तेलुगु फिल्मों में सक्रिय रहती हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मलयालम फिल्मों में बाल कलाकार के रूप में की थी। फिल्म 'मधुरानोमबारकट्टु' (2000) के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार का केरल राज्य फिल्म पुरस्कार मिला।

उनका परिवार फिल्म जगत से जुड़ा हुआ है। वह प्रसिद्ध छायाकार विपिन मोहन और नर्तकी कलामंडलम गिरिजा की बेटी हैं। प्रसिद्ध निर्देशक गौतम मेनन की फिल्म अच्चम एनबधु मदायैयादा से उन्होंने तमिल सिनेमा में कदम रखा।

इसी फिल्म के तेलुगु संस्करण साहसम स्वासणा सांगीपो में भी उन्होंने अभिनय किया। इस दमदार डेब्यू के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवार्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू – साउथ मिला।

रकुलप्रीत सिंह के बर्थडे पर पति जैकी भगनानी ने लुटाया प्यार, कहा- तुम हो मेरी जिंदगी

विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह शनिवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उनके पति-प्रोड्यूसर जैकी भगनानी ने खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है।

जैकी ने इंस्टाग्राम पर रकुलप्रीत के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने अपने दिल की बात लिखी। उन्होंने लिखा, 'तुम्हें देखकर आज भी मुस्कराए बिना नहीं रह पाता, सोचता हूँ कि मैं कितना खुशकिस्मत हूँ। मेरी ताकत, मेरी सबसे बड़ी सपोर्ट और मेरी जिंदगी के प्यार को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। तुम्हारी गर्मजोशी, तुम्हारी कभी खत्म न होने वाली एनर्जी और हमारे घर को सबसे खुशहाल जगह बनाने के लिए शुक्रिया। चलो, एक और साल साथ में सपने पूरे करते हैं और ढेर सारी खूबसूरत यादें बनाते हैं। आई लव यू।' जैकी के पोस्ट बनाने के बाद दोनों के इंस्टाग्राम के दोस्त और फैंस भी रकुल को



जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दे रहे हैं।

रकुल मुख्य रूप से साउथ और हिंदी

सिनेमा में सक्रिय हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। अभिनेत्री ने साल 2009 में कन्नड़ फिल्म 'गिल्ली'

से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद 2011 में फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जहां वह पांचवें स्थान पर रहीं थी। इस प्रतियोगिता ने उन्हें बॉलीवुड में प्रवेश करने का मौका दिया। रकुल ने तेलुगु और तमिल फिल्मों में काम कर अपनी पहचान बनाई।

साल 2014 में उन्होंने बॉलीवुड फिल्म 'यारियां' से डेब्यू किया, जिसमें उनके साथ हिमांशु कोहली मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद वे 'अय्यारी', 'दे दे प्यार दे', 'मरजावां', 'छत्रिवाली', और साउथ की 'धुवा' जैसी कई सफल फिल्मों में नजर आई थी।

अभिनेत्री को पिछली बार फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' में देखा गया था। रकुल ने 21 फरवरी 2024 को गोवा में जैकी भगनानी के साथ पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाज से शादी की। वह जोड़ा अपनी केमिस्ट्री और एक-दूसरे के प्रति प्यार के लिए अक्सर चर्चा में रहता है।

जेलेंस्की की आलोचना के बावजूद ट्रंप ने रूसी तेल समझौते का बचाव किया, पुतिन को कहा धन्यवाद

विश्व केसरी■
वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को अमेरिका को डीजल सप्लाई करने वाले एक बड़े तेल समझौते के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की आलोचना के बावजूद इस समझौते का बचाव किया।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि रूस के साथ हुआ ऊर्जा समझौता अमेरिकी सप्लाई और वैश्विक तेल बाजार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

ट्रंप ने कहा, ‘मुझे लगता है कि अपने रूस के साथ हुए तेल समझौते के बारे में सुना होगा। यह बहुत बड़ा समझौता है। हमारे देश में भारी मात्रा में तेल आ रहा है। और मैं ईमानदारी से राष्ट्रपति पुतिन को धन्यवाद देना चाहता हूं।’ उन्होंने कहा कि? हमारे देश में बड़ी मात्रा में तेल आ रहा है और यह डीजल है, जिसकी हमें जरूरत है। इसलिए धन्यवाद।

ट्रंप की यह टिप्पणी उस समय आई जब



एक पत्रकार ने जेलेंस्की की आलोचना का जिक्र किया। रिपोर्टर के मुताबिक, जेलेंस्की ने इस समझौते को लेकर ट्रंप को कमजोर बताया था। ट्रंप ने इसका जवाब देते हुए कहा कि अमेरिका को ऊर्जा सप्लाई की जरूरत है और खास तौर पर डीजल की अहम भूमिका

है। उन्होंने दावा किया कि इस समझौते की वजह से ऊर्जा की कीमतों में गिरावट आ रही है। ईरान के मुद्दे पर ट्रंप ने अतिरिक्त अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की संभावना को खारिज नहीं किया। ट्रंप ने ईरान को एक ऐसे देश के रूप में पेश किया जो सैन्य और

आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, ‘उनकी सेना हार चुकी है। उनके पास नौसेना नहीं है। उनके पास वायुसेना नहीं है।’ ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में महंगाई 300 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

सऊदी अरब की राजधानी रियाद के एक हवाई अड्डे पर कथित हमले के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने असंतोष जताया। उन्होंने कहा, ‘यह अच्छी बात नहीं है। बिल्कुल अच्छी बात नहीं है। मैं इससे खुश नहीं हूं।’

ट्रंप ने फोटों हूड गोलीकांड के दोषी और उसकी फांसी के संभावित लाइव प्रसारण को लेकर पूछे गए सवालों के भी जवाब दिए।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह फांसी का प्रसारण चाहते हैं और क्या ऐसी फुटेज का इस्तेमाल चरमपंथी प्रचार के लिए हो सकता है, तो ट्रंप ने कहा कि उनकी प्राथमिक चिंता यह है कि मौत की सजा को अमल में लाया जाए। उन्होंने कहा कि? मुझे इस बात से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता कि उसे कैसे फांसी दी जाती है। मेरा मानना है कि उसके लिए मौत की सजा बिल्कुल उचित है।

मिस्र ने रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले को ‘अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन’ बताया

विश्व केसरी■

काहिरा। मिस्र ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित किंग खालिद एयरपोर्ट पर किए गए हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। शनिवार को देश के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर इसे ‘अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन’ करार दिया। सऊदी अरब पर ये हमले हूती विद्रोहियों ने किए थे। हालांकि अपने बयान में मिस्र ने किसी गुट का नाम नहीं लिया है।

मिस्र के विदेश मंत्रालय ने ‘एक्स’ पर बयान साझा किया। इसमें लिखा, ‘मिस्र, मित्र राष्ट्र सऊदी अरब के खिलाफ किए गए उन हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करता है जिनमें रियाद के किंग खालिद एयरपोर्ट और सऊदी अरब एयरलाइंस के एक विमान को निशाना बनाया गया। इन हमलों में तीन सऊदी नागरिकों की मौत हो गई और कई आम नागरिक घायल



हो गए। इसमें आगे कहा गया, ‘मिस्र इन हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन मानते हुए पूरी तरह से खारिज करता है और अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और नागरिकों की हिफाजत के लिए सऊदी अरब द्वारा उठाए जाने वाले सभी कदमों में उसके साथ पूरी एकजुटता दिखाता है।’

मंत्रालय ने यह भी कहा कि हवाई आवाजाही को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करता है। अरब देश की सरकार और जनता के प्रति मिस्र अपनी गहरी संवेदना और

सहानुभूति व्यक्त करता है और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता है।

गुरुवार को ईरान समर्थित समूह द्वारा किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर किए गए हमलों में एक पायलट समेत सऊदी अरब के तीन नागरिकों की मौत हो गई। सऊदी अरब के जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन (जीएसीए) ने इससे पहले बुधवार को भी एक बयान जारी कर बताया था कि 6 और 7 अक्टूबर को आधा और किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी हमला किया गया था।

संक्षिप्त खबर

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में इमरजेंसी की तैयारी पूरी, 48 घंटे अहम

विश्व केसरी■
इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में अगले 48 घंटों में इमरजेंसी की घोषणा की जा सकती है। पाकिस्तान की संघीय सरकार ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आपातकाल या गवर्नर शासन लागू करने की संभावित स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस संबंध में अंतिम फैसला सरकार और विपक्षी प्रतिनिधिमंडलों के बीच चल रही बातचीत के नतीजे पर निर्भर करेगा। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता दानियाल चौधरी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में दावा किया, ‘अगले 48 घंटों में ‘बड़े फैसले’ लिए जाने के संकेत दिए हैं।’ उनके बयान से प्रांत में जारी राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। पाकिस्तान के मीडिया आउटलेट जियो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि प्रांत में प्रशासनिक फेरबदल की तैयारी भी की गई है। इसमें उपायुक्तों और सचिवों के स्तर पर बदलाव के साथ क्षेत्रीय और जिला पुलिस अधिकारियों की संभावित नियुक्तियों की सूची तैयार करना शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार खैबर पख्तूनख्वा के 12 जिलों में शुरुआती चरण में आपातकाल लागू करने के प्रस्ताव पर भी विचार कर रही है।

आयुष्मान कार्ड बनाने में रामपुर प्रदेश में प्रथम, एक साल में बने 1.79 लाख कार्ड

विश्व केसरी■
लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने और गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सुरुक्षा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी दिशा में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में रामपुर ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। आयुष्मान कार्ड बनाने के मामले में रामपुर ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। पिछले एक वर्ष के दौरान सर्वाधिक 1 लाख 79 हजार आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। इस उपलब्धि के लिए लखनऊ के गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाटक ने रामपुर को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। रामपुर जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए कार्ड बनाने की प्रक्रिया को गति दी जा रही है। रामपुर में विभिन्न विभागों के समन्वय और अभियान के प्रभावी संचालन से बड़ी संख्या में पात्र लोगों को योजना से जोड़ने में सफलता मिली है। आयुष्मान योजना का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाने के क्रम में जिलाधिकारी ने जनता दर्शन के दौरान गंभीर बीमारियों से पीड़ित और दिव्यांग लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए।



यूपी : प्रदेश की मंडियों में चलेगा 15 दिवसीय विशेष स्वच्छता अभियान, साफ-सफाई से बदलेगी तस्वीर

विश्व केसरी■
लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में उत्तर प्रदेश की कृषि उत्पादन मंडियों में साफ-सफाई की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा किसानों को स्वच्छ एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के निदेशक जितेंद्र प्रताप सिंह ने ‘स्वच्छ मंडी-शुभ मंडी अभियान-2026’ संचालित करने का निर्देश दिया है।



शौचालयों, नीलामी चबूतरे, दुकानों और किसान विश्राम गृहों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस अभियान के दौरान मंडी समितियों के अनुबंधित सफाई के अधिकारियों को अपने सभी सफाई कर्मियों को लगाकर युद्धस्तर पर सफाई कार्य कराने के निर्देश दिए गए हैं।

इस अभियान के अंतर्गत मंडी परिसर में स्थित नीलामी चबूतरों के आसपास की नालियों में जमा कूड़े को हटाने तथा चबूतरों और उनसे संबंधित संरचनाओं की सफाई कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिन स्थानों पर नमी रहती है।

इस अभियान के अंतर्गत मंडी परिसर में स्थित नीलामी चबूतरों के आसपास की नालियों में जमा कूड़े को हटाने तथा चबूतरों और उनसे संबंधित संरचनाओं की सफाई कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिन स्थानों पर नमी रहती है।

कनाडा की संप्रभुता को चुनौती दे रहा खालिस्तानी अलगाववाद, रिपोर्ट में चेतावनी

विश्व केसरी■

ओटावा। कनाडा में अलगाववाद के बढ़ते प्रभाव को लेकर एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। चेतावनी भरे अंदाज में कहा गया है कि देश दूसरे देशों की संप्रभुता को नकारने वाले आंदोलनों को जगह देकर अपनी संप्रभुता की रक्षा नहीं कर सकता।

रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा सिखों की धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी और राजनीतिक भागीदारी की रक्षा करते हुए भी अलगाववादी एजेंडे को वैधता देने से बच सकता है। खालसा वॉक्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके लिए आतंकवादी संगठनों के खिलाफ घोषित कराने की संवैधानिक प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। इसी बीच, एयरड्री के आसपास लगे विज्ञापन 18 अक्टूबर को एडमंटन में प्रस्तावित ‘पंजाब की स्वतंत्रता का महिमासंगठन वाले सभूहों को मंच देने से इनकार करना और किसी विदेशी जनमत संग्रह को कनाडा के परिसंघ से जुड़े मतदान के साथ एक जैसी राजनीतिक अहमियत नहीं देना जरूरी है।

कुछ विज्ञापनों का भी उल्लेख करते



हुए आगे कहा गया, ‘कनाडा के अलबर्टा प्रांत में 19 अक्टूबर को इस सवाल पर मतदान की तैयारी है कि क्या प्रांत की स्वतंत्रता के लिए बाध्यकारी जनमत संग्रह कराने की संवैधानिक प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए।’ इसी बीच, एयरड्री के आसपास लगे विज्ञापन 18 अक्टूबर को एडमंटन में प्रस्तावित ‘पंजाब की स्वतंत्रता पर अलबर्टा जनमत संग्रह’ की ओर ध्यान आकर्षित कर रहे हैं।

रिपोर्ट में इन विज्ञापनों के पीछे अमेरिका स्थित खालिस्तानी संगठन ‘सिख्स फॉर जस्टिस’ (एसएफजे) का हाथ बताया गया है। इसमें कहा गया है कि

इस संगठन ने सार्वजनिक रूप से अलबर्टा के कैलगरी शहर में खालिस्तान समर्थक रैली को ‘पंजाब जनमत संग्रह और अलबर्टा की स्वतंत्रता’, दोनों अभियानों के लिए मंच के रूप में पेश किया है।

संगठन ने अलबर्टा के लोगों को आत्मनिर्णय के अधिकार का इस्तेमाल करने देने के लिए कनाडा सरकार की भी सराहना की है।

अलबर्टा की स्वतंत्रता का समर्थन करने वाले एक वक्ता ने खालिस्तान समर्थक रैली में कहा कि इस आयोजन से ‘सिख्स फॉर जस्टिस’ (एसएफजे) का उद्देश्य अपने अभियान के लिए प्रेरणा मिलती है।

तमिलनाडु: उपचुनावों में हार और गठबंधन के कमजोर होने के बावजूद डीएमके का वोट शेयर बरकरार

विश्व केसरी■

चेन्नई। उपचुनाव में दोनों सीटें (मदुरंतकम और धारापुरम) हारने के बाद डीएमके की ओर से कहा गया कि उसने अपना वोट शेयर बनाए रखा है। कई पुराने सहयोगियों का साथ छोड़ देने के बाद भी उसके चुनावी समर्थन पर बहुत कम असर पड़ा है।

दोनों सीट पर पार्टी दूसरे नंबर पर रही। मदुरंतकम में डीएमके ने अपनी स्थिति बेहतर की। विधानसभा चुनाव में पार्टी तीसरे नंबर पर थी। वहीं, मदुरंतकम में उसके वोट शेयर में एक प्रतिशत से थोड़ा ज्यादा और धारापुरम में आधे प्रतिशत से कम की गिरावट आई है। विधानसभा चुनाव में मदुरंतकम से मरुथम कुमारवेल और धारापुरम से सत्यभामा ने एआईएडीएमके के उम्मीदवार के तौर पर जीत हासिल की थी। अब उपचुनाव में तमिलनाा वेट्री कन्नम



(टीवीके) उम्मीदवार के तौर पर दोनों ने जीत हासिल की है। उपचुनाव में पांच पार्टियों के बीच मुकाबला था, लेकिन मुख्य लड़ाई सत्ताधारी टीवीके, डीएमके और एआईएडीएमके के बीच थी। नतीजों से समझा जा सकता है कि डीएमके के वोट शेयर में बहुत अंतर नहीं आया है, लेकिन उसका गठबंधन काफी कमजोर रहा।

कांग्रेस, विद्युथलाई चिरुथाइगल काची, एमडीएमके, सीपीआई (एम), सीपीआई और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग जैसी पार्टियां डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन से

अलग हो गई थीं। डीएमके छोटी पार्टियों (मनिथानेया जननायगा काची और मनिथानेया मक्कल काची) के गठबंधन के साथ मुकाबले में उतरी थी।

मदुरंतकम में, डीएमके उम्मीदवार अमुलु पोनमलार को आम चुनाव में 59,838 वोट मिले थे। उन्हें 30.18 प्रतिशत वोट शेयर मिला था, लेकिन वे तीसरे नंबर पर रही थीं। उपचुनाव में, पार्टी उम्मीदवार आई. परंथमन 29.15 प्रतिशत वोट शेयर के साथ दूसरे नंबर पर रहे। 1.03 प्रतिशत वोटों की कमी आई।

मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने ओबीसी की पीठ में छुरा घोंपा : कांग्रेस

विश्व केसरी■

भोपाल। मध्य प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को लेकर आए जबलपुर उच्च न्यायालय के फैसले को लेकर कांग्रेस ने राज्य की भाजपा सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस का आरोप है कि राज्य सरकार ने ओबीसी की पीठ में छुरा घोंपने का काम किया है। दरअसल राज्य में ओबीसी को 14 से बढ़कर 27 आरक्षण दिए जाने का मामला जबलपुर उच्च न्यायालय में लंबित था। इस मामले पर शुक्रवार को न्यायालय की दो जजों की खंडपीठ ने अपना फैसला सुनाया।

इस फैसले के मुताबिक ओबीसी को 14 फीसदी आरक्षण ही मिलेगा। आरक्षण बढ़ाने का अध्यादेश तत्कालीन कांग्रेस की कमलनाथ सरकार ने लाया था। जबलपुर उच्च न्यायालय के फैसले के बाद राज्य की सियासत गरमाई



हुई है। भाजपा जहां कांग्रेस के अध्यादेश पर ही सवाल उठा रही है, वहीं कांग्रेस राज्य सरकार पर हमलावर है।

विधानसभा में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार ने कांग्रेस मुख्यालय भोपाल में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और सरकार की पहल पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि न्यायालय के आए फैसले से प्रदेश की 50 प्रतिशत से अधिक आबादी वाले

ओबीसी समाज की उम्मीदों को झटका लगा है।

उन्होंने बताया कि समाज को उम्मीद थी कि 27 प्रतिशत आरक्षण से बच्चों को शिक्षा और रोजगार में नए अवसर मिलेंगे। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा की नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा कि अदालत ने कानून और साक्ष्यों के आधार पर निर्णय दिया, लेकिन सरकार की जिम्मेदारी थी कि वह अपने पक्ष में मजबूत और विश्वसनीय तथ्य प्रस्तुत करें।

रणजी ट्रॉफी: स्टार खिलाड़ियों के साथ युवा जोश पर निगाहें

आज से 92वें सीजन की शुरुआत



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी के 92वें सीजन की शुरुआत रविवार से होने जा रही है। भारत के इस सबसे बड़े घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट में कुल 38 टीमें नजर आएंगी। पहले राउंड में कुछ बड़े भारतीय इंटरनेशनल खिलाड़ी दिखेंगे, जो बाद में न्यूजीलैंड के रेड-बॉल दौरे के लिए 'इंडिया ए' टीम में शामिल होंगे।

इस बार देखना दिलचस्प होगा कि क्या जम्मू-कश्मीर अपनी खिताबी जीत को दोहरा पाता है या नहीं? ईरानी कप में 'रेस्ट ऑफ इंडिया' से हारने के बाद, पारस डोंगरा की कप्तानी वाली टीम श्रीनगर में मध्य प्रदेश के खिलाफ वापसी करने की कोशिश करेगी। 2026/27 सीजन का पहला राउंड जबरदस्त होने वाला है। केएल राहुल (कर्नाटक), यशस्वी

वापसी का दावा पेश करने का एक अहम मौका होगा - जैसे मुंबई के सरफराज खान और कर्नाटक के करुण नायर। मुंबई के आयुष म्हात्रे और झारखंड के बाएं हाथ के ओपनर शिखर मोहन जैसे युवा खिलाड़ी रेड-बॉल क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने की कोशिश करेंगे। पिछले सीजन में 37 विकेट हासिल करने वाले अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शम भी मैदान पर वापसी कर रहे हैं, जो बंगाल की टीम का हिस्सा हैं। वहीं, दिल्ली की टीम के लिए नए सपोर्ट स्टाफ के साथ रेड-बॉल क्रिकेट में सफलता की दौड़ फिर से शुरू कर रही है। टीम ने भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को हेड कोच और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा को टीम का मेंटॉर नियुक्त किया है।

चार सदस्यीय चयन समिति की नजरें विदर्भ के हर्ष दुबे, प्रफुल्ल हिंगे, यश राठौड़ और उत्तर प्रदेश के लेग-स्पिनर जीशान अंसारी पर भी होंगी। उमेश यादव (पंजाब), हर्षल पटेल (गुजरात), मनदीप सिंह और हनुमा विहारी (दोनों त्रिपुरा) जैसे अनुभवी खिलाड़ी अहम मेंटॉर की भूमिका निभाएंगे।

हालांकि, शुरुआती दौर में भारत के बड़े नाम चर्चा में रहेंगे, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या घरेलू क्रिकेट के नए खिलाड़ी गुमनामी से निकलकर राष्ट्रीय रेड-बॉल टैलेंट पूल को नई दिशा दे पाते हैं या नहीं? अरुणाचल क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) के दो गुटों के बीच जारी कानूनी विवाद के कारण अरुणाचल प्रदेश के नागालैंड के खिलाफ मैच गंवाने का खतरा बना हुआ है। अब यह देखना होगा कि यह कानूनी गतिरोध कब खत्म होगा, ताकि राज्य के क्रिकेटर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका न गंवाएं।

रणजी ट्रॉफी 2026-27 सीजन के ग्रुप:

ग्रुप-ए: बिहार, बड़ौदा, गोवा, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, उत्तर प्रदेश और विदर्भ।

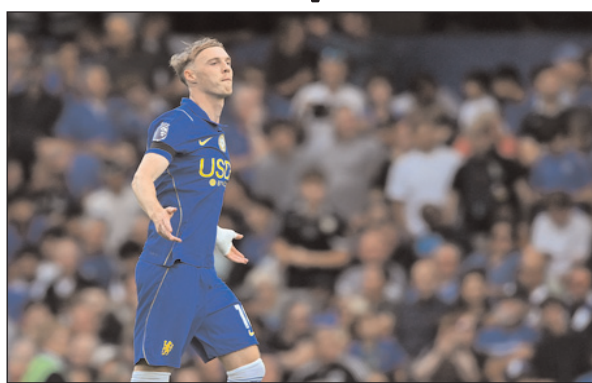
ग्रुप-बी: कर्नाटक, आंध्र, सौराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हैदराबाद, त्रिपुरा, पंजाब और असम।

ग्रुप-सी: बंगाल, दिल्ली, गुजरात, झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, सर्विसेज और ओडिशा।

ग्रुप-डी: मुंबई, राजस्थान, हरियाणा, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और रेलवे।

प्लेटे ग्रुप: मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, सिक्किम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश।

चेल्सी के साथ बने रहेंगे फॉरवर्ड खिलाड़ी कोल पामर



विश्व केसरी ■ लंदन। चेल्सी फुटबॉल क्लब के फॉरवर्ड खिलाड़ी कोल पामर ने एक नए कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किया है, जिसके तहत वह साल 2034 तक क्लब से जुड़े रहेंगे। अगस्त 2023 में टीम में शामिल होने के बाद से ही उन्होंने खुद को टीम के मुख्य अटैकिंग खिलाड़ियों में से एक के तौर पर स्थापित किया है। 24 वर्षीय खिलाड़ी ने चेल्सी के लिए 138 मैचों में 91 गोल में योगदान दिया है। इसके साथ ही उन्होंने क्लब को फीफा क्लब वर्ल्ड कप और यूईएफए कॉन्फ्रेंस लीग जिताने में भी अहम भूमिका निभाई है। पामर ने कहा कि वह चेल्सी के साथ अपना भविष्य जोड़ने को लेकर बहुत खुश हैं और

उन्हें विश्वास है कि क्लब सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। पामर ने एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'चेल्सी क्लब मेरे लिए बहुत मायने रखता है, और मुझे लगता है कि क्लब सही दिशा में आगे बढ़ रहा है, इसलिए मैं इस कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करके बहुत खुश हूँ।' पामर ने आगे कहा, 'क्लब के मालिकों, स्पोर्टिंग डायरेक्टर्स और मैनेजर से बात करने के बाद मुझे भविष्य को लेकर काफी भरोसा मिला। इसी कारण नया कॉन्ट्रैक्ट साइन करना मेरे लिए आसान फैसला था। जब मैंने टीम के खिलाड़ियों से बात की, तो मुझे महसूस हुआ कि सभी का लक्ष्य एक जैसा है। हम सभी बड़े खिताब जीतना चाहते हैं।

चाइना ओपन: किनवेन झेंग ने बनाई सेमीफाइनल में जगह, एलिना स्वितोलिना को हराया



विश्व केसरी ■ बीजिंग। किनवेन झेंग ने शुक्रवार को बीजिंग में चाइना ओपन डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में यूक्रेन की छठी वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को 6-3, 7-6(6) को हराकर घरेलू दर्शकों के सामने शानदार प्रदर्शन किया। गुरुवार को अपना 24वां जन्मदिन मनाने वाली झेंग ने एक घंटे 47 मिनट तक चले मुकाबले में स्वितोलिना की सर्विस चार बार तोड़ी और उन्हें हराकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। यह उनका दूसरा चाइना ओपन सेमीफाइनल और इस साल का पहला डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल है। वह 2024 में भी बीजिंग में अंतिम-चार के दौर में पहुंची थीं, जहां उन्हें कैरोलिना मुचोवा से हार का सामना करना पड़ा था।

झेंग की इस सीजन में टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ यह दूसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने यूएस ओपन के राउंड ऑफ 16 में इगा स्विยาतक को हराया था। अब वह अपने पहले मास्टर्स 1000-लेवल के खिताब की तलाश करेंगी, क्योंकि वह पहले

स्वितोलिना ने थोड़ी देर के लिए उम्मीद बनाए रखी जब उन्होंने नौवें गेम में चीनी खिलाड़ी की सर्विस तोड़ी, जबकि झेंग 5-3 के स्कोर पर सेट के लिए सर्विस कर रही थीं। हालांकि, हाल ही में 24 साल की हुई झेंग ने वापसी करते हुए फिर से सर्विस तोड़ी और पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ी लगातार अपनी सर्विस गेम जीतते रहे। दूसरे सेट के सातवें गेम में यूक्रेन की खिलाड़ी ने झेंग की सर्विस ब्रेक कर 4-3 की बढ़त बना ली। हालांकि, झेंग ने तुरंत जवाब देते हुए अगला गेम जीतकर स्कोर 4-4 कर दिया। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी सर्विस बरकरार रखी, जिससे मुकाबला टाई-ब्रेक तक पहुंच गया। टाई-ब्रेक में झेंग 0-2 से पीछे थीं, लेकिन उन्होंने अगले चार प्वाइंट जीतकर 4-2 की बढ़त बना ली, और बाद में स्कोर फिर से 6-6 से बराबर हो गया। हालांकि, झेंग ने 8-6 के स्कोर पर अपने दूसरे मैच प्वाइंट पर जीत हासिल की और सेट व मैच अपने नाम किया।

आईपीएल 2027 में 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम नहीं हटाया जाना चाहिए: दिनेश कार्तिक



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बैटिंग कोच और मेंटर दिनेश कार्तिक चाहते हैं कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम कम से कम आईपीएल 2027 तक बना रहे। उनका कहना है कि आईपीएल साइकिल के बीच में इस विवादित नियम को हटाना समझदारी भरा फैसला नहीं होगा। हालांकि, कार्तिक ने इस नियम की आलोचना करते हुए कहा कि इससे भारत के लिए ऑलराउंडर तैयार करने के मौके कम हो रहे हैं, लेकिन फिर भी उन्होंने आईपीएल 2027 में इस नियम को बनाए रखने का समर्थन किया। 'क्रिकबज' से बात करते हुए उन्होंने कहा कि टीमों ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम को ध्यान में रखकर ही अपनी टीमें बनाई हैं, और आईपीएल साइकिल के बीच में इसे हटाना सही नहीं होगा। कार्तिक ने क्रिकबज के साथ बात करते हुए कहा, 'जब यह नियम (इम्पैक्ट प्लेयर) पहली बार आया था, तो यह बहुत अच्छा था क्योंकि तब हाई-स्कोरिंग मैच होते थे और कई टीमों लक्ष्य का पीछा करने के करीब पहुंच जाती थीं। मगर अजीब बात है कि पिछले सीजन में बहुत कम करीबी मैच देखने को मिले। ऐसा लगा जैसे एक टीम ने बहुत ज्यादा रन बनाए और दूसरी टीम ने आसानी से 'क्रिकबज' से बात करते हुए

चेन्नई में बीबीएल मैच की टिकट ब्रिकी शुरू, पर्थ स्कॉर्चर्स से होगी मेलबर्न रेनगोड्स की भिड़ंत

विश्व केसरी ■ मेलबर्न। रेनेगोड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होने वाले ऐतिहासिक बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन 16 के ओपनिंग मैच के टिकट शनिवार से ब्रिकी के लिए उपलब्ध हो गए हैं। शुरुआती दौर के टिकट भारत में 'डिस्ट्रिक्ट बाय जोमेन्ट' वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और आने वाले दिनों में और टिकट भी जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, 4 या 12 दिन के इंटरनेशनल ट्रैवल पैकेज भी ब्रिकी के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें मैच के टिकट और बिग बैश लीग का मर्चेंडाइज शामिल है। इन पैकेजों को ख़ास तौर पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ट्रैवल ऑफिस ने तैयार किया है। 12 दिसंबर को होने वाला यह मैच ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मैच बन सकता है। बिग बैश



लीग एक ऐसे स्टेडियम में फैंस के लिए शानदार अनुभव पेश करने की तैयारी कर रही है, जिसने पहले भी कई यादगार क्रिकेटिंग पल देखे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बिग बैश लीग्स के एजीक्यूटिव जनरल मैनेजर एलिस्टर डॉब्सन ने शनिवार को एक बयान में कहा, 'ख़चाख़च भरा स्टेडियम ही बीबीएल की असली पहचान है, और हम चेन्नई में बिग बैश का एक हिस्सा लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं। इससे फैंस को खेल के कुछ बड़े नामों के साथ एक अनोखा अनुभव मिलेगा। बल्ले

से आतिशबाजी, मैदान पर रोमांच और वर्ल्ड-क्लास एंटरटेनमेंट के साथ, यह दिन बीबीएल मैच का अनुभव लेने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए यादगार होगा।' इस साल मई में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का पांच सदस्यीय

प्रतिनिधिमंडल आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच चेन्नई में होने वाले आखिरी घरेलू मैच के लिए आया था। इस मैच के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास भी उनके साथ शामिल हुए थे। इसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने चेन्नई में बीबीएल सीजन 16 का ओपनिंग मैच आयोजित करने के लिए बीसीसीआई से संपर्क किया, जिसे स्वीकार कर लिया गया। पर्थ स्कॉर्चर्स मौजूद बीबीएल चैंपियन हैं, जिन्होंने प्रतियोगिता के इतिहास में रिकॉर्ड छठी बार खिताब जीता है। डॉब्सन ने आगे कहा, 'इन मैचों के लिए शुरुआती जबरदस्त मांग और स्थानीय क्रिकेट-प्रेमी समुदाय को देखते हुए उम्मीद है कि 12 दिसंबर को स्टेडियम पूरी क्षमता से भरा होगा और बाहर से आने वाले फैंस का जोरदार स्वागत किया जाएगा।

लिवरपूल के खिलाफ खेलना हमेशा खास: हालैंड



विश्व केसरी ■ मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी के स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड को भरोसा है कि क्लब के फैंस एनफील्ड स्टेडियम में मैच का आनंद लेंगे। प्रीमियर लीग में सबसे आगे चल रही टीम रविवार को अपने कड़े प्रतिद्वंद्वी लिवरपूल का सामना करने की तैयारी कर रही है। नॉर्वेजियन खिलाड़ी ने अपने साथियों से इस बड़े मुकाबले से पहले सकारात्मक और एकजुट रहने का आग्रह किया है। 'जियोस्टार' द्वारा शेयर किए गए एक इंटरव्यू में हालैंड ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि जब हम एनफील्ड जाएंगे तो मैनचेस्टर सिटी के फैंस अच्छा समय बिताएंगे।' हालैंड की ये बातें ऐसे समय में आई हैं जब सिटी इंटरनेशनल ब्रेक के बाद अपना प्रीमियर लीग अभियान फिर से शुरू करने की तैयारी कर रही है। इसके साथ ही, क्लब के वित्तीय नियमों के उल्लंघन के मामले ने भी उनके सीजन को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है। सिटी ने इस मामले में किसी भी गलत काम से इनकार किया है और प्रीमियर लीग के वित्तीय नियमों के कठित उल्लंघन के बारे में एक स्तर्भाव आयोग के निष्कर्षों के

खिलाफ एक अपील में शामिल है, जो अभी तक सुलझी नहीं है। कार्यावाही जारी रहने के दौरान उन्होंने सिटी से संभावित प्रतिबंध क्लब के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बने हुए हैं। मैदान पर सिटी ने लीग सीजन की शानदार शुरुआत की है। उन्होंने इंटरनेशनल ब्रेक से पहले अपने शुरुआती पांच मैच जीतकर स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया था। हालांकि, उन्हें एनफील्ड में लिवरपूल के खिलाफ एक कठिन चुनौती का सामना करना है, जहां घरेलू वर्चस्व की हालिया लड़ाइयों के दौरान दोनों टीमों के बीच कई कड़े मुकाबले हुए हैं। हालाैंड ने लिवरपूल का सामना करने के खास महत्व को स्वीकार किया। उन्होंने याद किया कि कैसे साल्जबर्ग और बोरुसिया डॉर्टमुंड में अपने समय के दौरान उन्होंने सिटी के मैनेजर पेप गार्डिंधोला और लिवरपूल के पूर्व मैनेजर जुर्गन क्लॉप के बीच की प्रतिद्वंद्विता को देखा था। उन्होंने कहा, 'लिवरपूल के खिलाफ खेलना हमेशा खास होता है, खासकर इसलिए क्योंकि पेप और क्लॉप वर्षों से एक-दूसरे के आमने-सामने रहे हैं। मुझे याद है कि साल्जबर्ग और डॉर्टमुंड में बैठकर मैं लिवरपूल बनाम मैन सिटी के मैच देखता था और देखा था कि पेप और क्लॉप एक-दूसरे को कितना आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे।

जिम्बाब्वे अफ्रीकी पेमेंट सिस्टम को बदलने के लिए भारत के यूपीआई स्टैक का कर सकता है इस्तेमाल: रिपोर्ट



विश्व केसरी ■ मुंबई। जिम्बाब्वे रियल-टाइम पेमेंट के लिए एक साझा घरेलू सिस्टम के तौर पर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की टेक्नोलॉजी का लाइसेंस लेने के लिए एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) के साथ बातचीत कर रहा है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एनआईपीएल, यूपीआई का संचालन करने वाली सरकारी कंपनी भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की अंतरराष्ट्रीय इकाई है और इसने दूसरे देशों में यूपीआई जैसा इन्फ्रास्ट्रक्चर पहुंचाया है।

ईंडिया नैरेटिव' की रिपोर्ट के मुताबिक, इस तरह का घरेलू सिस्टम बैंकों, मोबाइल-मनी ऑपरेटरों और फिनटेक कंपनियों को एक ही पब्लिक लेयर पर रियल-टाइम में ट्रांसफर विलियर करने में मदद करेगा।

जिम्बाब्वे के रिजर्व बैंक के गवर्नर जॉन मुशायवान्डु ने कहा कि इस कदम से लागत कम हो सकती है, ट्रांसफर तेज हो सकते हैं और छोटे

बातचीत 31 अक्टूबर तक पूरी हो सकती है।

जिम्बाब्वे में पहले से ही बड़ी संख्या में डिजिटल ट्रांजैक्शन होते हैं, लेकिन वहां कम लागत वाला कोई कॉमन पेमेंट सिस्टम नहीं है। जिम्बाब्वे के नेशनल सिस्टम ने 2025 की चौथी तिमाही में 23.8 करोड़ इलेक्ट्रॉनिक ट्रांजैक्शन किए, इनमें से लगभग 87 प्रतिशत ट्रांजैक्शन मोबाइल मनी के जरिए हुए और एक्टिव मोबाइल-फाइनेंशियल-सर्विस यूजर की संख्या लगभग 1.1 करोड़ थी।

रिपोर्ट में बताया गया, '2025 में विदेशों में रहने वाले नागरिकों से आने वाली राशि बढ़कर 2.45 अरब डॉलर हो गई, जो 2024 में 2.15 अरब डॉलर थी। 2025 की शुरुआत में आए कुल पैसे में से ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका, दोनों का हिस्सा एक-चौथाई से थोड़ा ज्यादा था। ये डॉलर परिवारों की आय और विदेशी मुद्रा का स्रोत हैं, और माइनिंग के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'वर्ल्ड बैंक का अनुमान है कि 2025 में सब-सहारा अफ्रीका में 200 डॉलर भेजने की औसत लागत लगभग 8 प्रतिशत रही है, जबकि ग्लोबल औसत लगभग 6.5 प्रतिशत और सस्तेनेबल डेवलपमेंट गोल (एसडीजी) का लक्ष्य 3 प्रतिशत है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस: सात में से एक व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य की समस्या से जूझ रहा



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस अवसर पर वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) ने बताया है कि लगभग हर 7 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य (मेंटल हेल्थ) की समस्या से जूझ रहा है।

डब्ल्यूएचओ ने एक्स पोस्ट में कहा, 'जिन लोगों को खुद मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव रहा है, वे मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को हर स्तर पर बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं, चाहे वह सेवाओं को डिजाइन करना हो, उन्हें लोगों तक पहुंचाना हो या उनमें सुधार करना हो। साथ मिलकर काम करके, अनुभव रखने वाले लोग और मानसिक स्वास्थ्य सिस्टम, पॉलिसी और रिसर्च में काम करने वाले विशेषज्ञ ऐसी देखभाल

व्यवस्था बना सकते हैं जो व्यक्ति-केंद्रित हो, अधिकारों पर आधारित हो और जिसमें सम्मान को प्राथमिकता दी जाए। समुदाय-आधारित सेवाओं को मजबूत बनाएं, देखभाल की निरंतरता को बनाए रखें और हर बातचीत को सार्थक बनाएं।'

वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे से पहले वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने एक नई गाइड जारी की है। इसका मकसद देशों की मदद करना है ताकि वे मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के ऐसे मॉडल से हट सकें जिनमें मरीजों को लंबे समय तक मनोरोग अस्पतालों में रखा जाता है, और इसके बजाय समुदाय में ऐसी देखभाल अपना सकें जो लोगों के अधिकारों और पसंद का सम्मान करती हो।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे कई लोग अभी बड़े मनोरोग अस्पतालों और सोशल केयर संस्थानों

में रह रहे हैं। इनमें से लगभग आधे लोगों को महीनों, सालों या दशकों तक बिना उनकी मर्जी के इन जगहों पर रखा जाता है, जिससे वे बाहरी दुनिया से कट जाते हैं।

इस प्रक्रिया को 'डी-इंस्टीट्यूशनलाइजेशन' (डीआई) कहा जाता है। इसमें उन लोगों की मदद की जाती है जिन्होंने मनोरोग अस्पतालों में लंबा समय (छह महीने या उससे ज्यादा) बिताया है, ताकि वे अपने समुदाय में वापस लौट सकें और अच्छी जिंदगी जीने के लिए जरूरी देखभाल, मदद और मौके पा सकें।

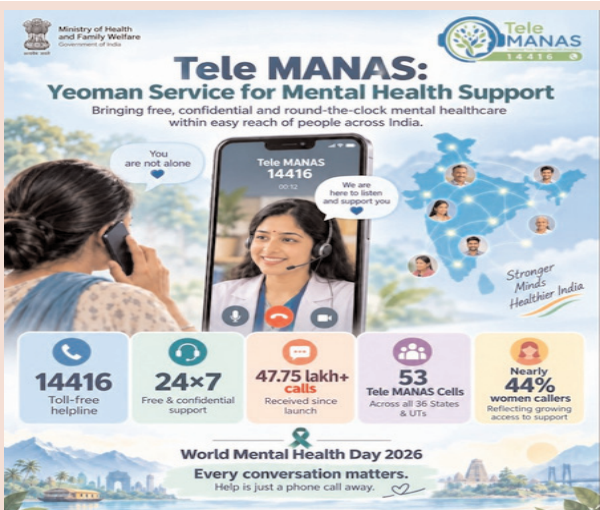
डब्ल्यूएचओ के डायरेक्टर-जनरल डॉ. टेड्रोस एडर्नाम गेब्रेयेसस ने कहा, 'लगातार मानसिक स्वास्थ्य सहायता पाने के लिए लोगों को अपनी आजादी, सम्मान या समुदाय में अपनी जगह नहीं छोड़नी चाहिए। देशों को लंबे समय तक चलने वाली संस्थागत देखभाल पर निर्भरता कम करनी चाहिए और संस्थानों से निवेश हटाकर समुदाय में अधिकारों पर आधारित मानसिक स्वास्थ्य देखभाल और सहायता की ओर तेजी से बढ़ना चाहिए।

कई देश समुदाय-आधारित मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन प्रगति एक जैसी नहीं है। डब्ल्यूएचओ के 'मेंटल हेल्थ एटलस' से पता चला है कि रिपोर्ट करने वाले देशों में से केवल 9 फीसदी ही पूरी तरह से समुदाय-आधारित मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की ओर बढ़े हैं, जबकि आधे से ज्यादा (53 फीसदी) देश अभी भी सुधार के शुरुआती चरण में हैं।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर टेली-मानस बना सहारा, अब तक 47 लाख से ज्यादा कॉल

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2026 मनाएगा। इस बार का वैश्विक विषय है 'लिव्ड एक्सपीरिएंस हर्ड: रीयल वॉइसेस, रीयल चेंज'। सरकार का कहना है कि मानसिक स्वास्थ्य सेवा को सुलभ, किफायती, समावेशी और जन-केंद्रित बनाने की दिशा में काम जारी है।

इस कड़ी में टेली-मानस कार्यक्रम देश की मानसिक स्वास्थ्य सेवा का अहम स्तंभ बनकर उभरा है। टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 14416 के जरिए पूरे भारत में लोगों को मुफ्त, गोपनीय और 24 घंटे मानसिक स्वास्थ्य सहायता दी जा रही है।



10 अक्टूबर 2022 को लॉन्च होने के बाद से टेली-मानस पर अक्टूबर 2026 तक 47,75,644 कॉल आ चुके हैं। देश के सभी 36

का लाभ महिलाएं भी बड़ी संख्या में ले रही हैं। कुल रिकॉर्ड किए गए 13,35,275 कॉलर्स में 43.78 प्रतिशत यानी 5,84,587 महिलाएं हैं, जबकि 54.18 प्रतिशत पुरुष हैं। इससे पता चलता है कि टेलीफोन परामर्श ने महिलाओं के लिए मदद लेना आसान बनाया है।

सबसे ज्यादा कॉल 18 से 45 साल के युवा और कामकाजी उम्र के लोगों ने किए हैं, जो कुल कॉल का 73.2 प्रतिशत हैं। लोग भावनात्मक परेशानी, चिंता, तनाव, परीक्षा, कार्यस्थल और रिश्तों से जुड़े तनाव और नींद की समस्याओं को लेकर संपर्क कर रहे हैं।

टेली-मानस बहुभाषी सेवा है। इस पर लोग बिना किसी हेल्थ सेंटर जाए, घर बैठे प्रशिक्षित काउंसलर से बात कर सकते हैं।

शरीर को डिटॉक्स और रीढ़ को लचीला बनाता है अर्ध मत्स्येन्द्रासन, जानें लाभ

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। आधुनिक जीवनशैली और घंटों एक ही जगह बैठकर काम करने की आदत हमारे शरीर को नुकसान पहुंचाता है। योग के कई आसनों में से अर्ध मत्स्येन्द्रासन एक ऐसा आसन है, जो हमारे पूरे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है, पेट के अंगों को सही तरीके से काम करने में मदद करता है।

अर्ध मत्स्येन्द्रासन, हठयोग का एक प्रमुख और महत्वपूर्ण आसन है, जिसे महान योगी और हठयोग के प्रवर्तकों में से एक, महर्षि मत्स्येन्द्रनाथ के नाम पर रखा गया। संस्कृत में 'अर्ध' का अर्थ



अभ्यास से शरीर की सुप्त ऊर्जा जागृत होती है और रीढ़ का स्वास्थ्य उत्तम बना रहता है। यह आसन केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन प्राप्त करने की एक वैज्ञानिक विधि है। यह एक प्रमुख 'ट्विस्टिंग'

(मोड़ने वाला) योगासन है, जो न केवल शरीर की जकड़न को दूर करता है बल्कि आंतरिक अंगों की मालिश कर शरीर को डिटॉक्स (विषमुक्त) करने में भी मदद करता है। आइए, इस प्राचीन और लाभकारी आसन के महत्व, सही तकनीक और स्वास्थ्य लाभों को विस्तार से समझें।

हठयोग प्रदीपिका में मूल रूप से मत्स्येन्द्रासन (पूर्ण मत्स्येन्द्रासन) का वर्णन मिलता है। आधुनिक योग

अभ्यास में इसी आसन को सरल और सुलभ बनाने के लिए इसके आधे रूप यानी अर्ध मत्स्येन्द्रासन का विकास किया गया। इस आसन का नाम नाथ संप्रदाय के महान योगी मत्स्येन्द्रनाथ के नाम पर रखा गया है।

अर्ध मत्स्येन्द्रासन करने का तरीका भी ज्यादा कठिन नहीं होता और नियमित अभ्यास करने पर इसके परिणाम साफ नजर आने लगते हैं।

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

Mo. 9827189170
9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home

📍 Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.)
📍 Amapara, Pitalband Road, Rajim, Garhvyaband (C.G.)

📞 9111677722
📞 7509007388

✉️ drprajwalsoni@gmail.com

परिवृत्त बद्ध पार्श्वकोणासन क्या है? जानिए फायदे और सावधानियां

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। भारतीय योग परंपरा में शारीरिक लचीलापन, मानसिक एकाग्रता को एक साथ साधने वाले आसनों में 'परिवृत्त बद्ध पार्श्वकोणासन' का विशेष स्थान है। यह आसन मुख्य रूप से रीढ़ की हड्डी के ट्विस्ट और हाथों की बंध स्थिति का एक अनूठा संगम है। यह आसन पार्श्वकोणासन का ही एक अधिक चुनौतीपूर्ण और लाभकारी रूप है।

संस्कृत में 'परिवृत्त' का अर्थ है घुमा हुआ, 'बद्ध' का अर्थ है बंधा हुआ और 'पार्श्वकोण' का अर्थ है बागल का कोण। इस आसन में शरीर को एक तरफ घुमाते हुए गहरा बंध लगाया जाता है, जो शरीर को एक नया आकार और



ऊर्जा देता है। यह न सिर्फ शरीर के निचले हिस्से (पैरों और जांघों) को मजबूती प्रदान करता है, बल्कि

पाचन तंत्र की गहरी मालिश कर शरीर को अंदर से डिटॉक्सिफाई (विषमुक्त) करने में भी सहायक

होता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह आसन शरीर में संतुलन,

मानसिक दृढ़ता और आंतरिक अंगों की शुद्धि के लिए बेहद प्रभावी माना गया है। यह सिर्फ एक स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज नहीं है बल्कि यह पाचन तंत्र को सक्रिय करने, रीढ़ की हड्डी में लचीलापन लाने और शरीर के भीतर जमा टॉक्सिन्स को बाहर निकालने का एक शक्तिशाली अभ्यास है। यह आसन पार्श्वकोणासन का ही एक अधिक चुनौतीपूर्ण और लाभकारी रूप है।

यह आसन पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाता है। इसे करने के दौरान पेट के अंगों पर गहरा दबाव पड़ता है, जिससे मेटाबॉलिज्म तेज होता है, कब्ज व ब्लोटिंग दूर होती है और शरीर से टॉक्सिन्स आसानी से बाहर निकलते हैं। यह रीढ़ की

हड्डी के रोटेशन को बढ़ाता है, जिससे पीठ और कमर की जकड़न दूर होती है। यह क्वाड्रिसेप्स, हैमस्ट्रिंग, घुटनों और टखनों को मजबूत करता है।

हाथों के बंधने और छाती के खुलने से फेफड़ों की कार्यक्षमता बेहतर होती है और गहरी सांस लेने में मदद मिलती है। यह आसन शरीर में मणिपुर चक्र को सक्रिय करता है, जिससे व्यक्ति में आत्मविश्वास, इच्छाशक्ति और मानसिक एकाग्रता का विकास होता है।

यदि किसी व्यक्ति के घुटनों, कंधों, रीढ़ की हड्डी या गर्दन में कोई हालिया चोट या गंभीर दर्द हो, तो इस आसन को बिल्कुल न करें।

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

Diwali Special Offer

पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, ट्रांली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टेकर, बेटरी स्पेयर, स्पेयर

निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग

सिंचाई एवं बागवानी किसानों हेतु उपयुक्त

निर्माता व विक्रेता:

वीनस मशीनरी

विश्वकांत बघेल (अध्यक्ष)

एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)

फोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये

बजाज फाईनेस की सुविधा उपलब्ध

गौंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST फाइल बनवाएं

मात्र 500/-

25 वर्ष का अनुभव

• CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्ट
• फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफंड

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants

C-74, मेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsapp पर बनवाएं **9300755544, 8878655544**

Discover the new meaning of pleasure

Noorjaha Prime

DINING • BUFFET • ROOFTOP • LIVE BARBEQUE KITCHEN

City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.

83700 09993

H.O.:

- Madarsa Road Baijnathpara, Raipur. Mobile: 83700 09994

OUTLETS:

- Marine Drive, Telibandha, Raipur Mo: 83570 09997

दिल्ली दंगा मामले: ताहिर हुसैन दंगा भड़काने के आरोप में दोषी करार, सात सह-आरोपी बरी

केंद्र ने जारी किया स्पष्टीकरण, हैदराबाद हाई-स्पीड रेल के लिए नहीं मांगी जमीन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली को एक अदालत ने शनिवार को फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों से जुड़े एक मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को दंगा भड़काने में मदद करने के आरोप में दोषी करार दिया। हालांकि, अदालत ने उन्हें अन्य आरोपों से बरी कर दिया। इस मामले में सात अन्य आरोपियों को भी सभी आरोपों से बरी कर दिया गया।

कड़कड़ूमा कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने 24 फरवरी 2020 को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में एक दुकान में लूटपाट और आगजनी से जुड़े मामले में यह फैसला सुनाया। अदालत ने मामले में ताहिर हुसैन को दंगा भड़काने में मदद करने के आरोप में दोषी ठहराया, जबकि अन्य अपराधों से उन्हें बरी कर दिया।

अदालत ने दोषी ठहराए गए ताहिर हुसैन की सजा की अवधि पर दलीलें सुनने के लिए 16 नवंबर को तारीख तय की है।



यह मामला दयालपुर इलाके के एक दुकानदार की शिकायत से जुड़ा है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि 24 फरवरी 2020 को उसकी दुकान में लूटपाट करने के बाद आग लगा दी गई थी। शिकायत के मुताबिक, दुकान से 17 से 18 लाख रुपये का सामान चोरी हुआ था, जबकि संपत्ति को करीब 10 लाख रुपये का नुकसान पहुंचा था।

इस मामले में दयालपुर पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 147 (दंगा), 148 (घातक हथियार से लेस होकर दंगा), 149 (गैरकानूनी जमावड़ा), 427 (नुकसान पहुंचाने वाली शरारत), 436 (घर आदि को नष्ट करने के इरादे से आग या विस्फोटक पदार्थ का इस्तेमाल) और 120बी (आपराधिक साजिश) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। फरवरी 2020 के दंगों से जुड़े मामलों में ताहिर हुसैन को दूसरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि हैदराबाद से जुड़ी प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को लेकर वर्तमान में अध्ययन चल रहा है और राज्य सरकार को जमीन अधिग्रहण से जुड़ी कोई मांग नहीं भेजी गई है। हैदराबाद-चेन्नई, हैदराबाद-बेंगलुरु और हैदराबाद-पुणे हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर पर चर्चा के लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से राष्ट्रीय राजधानी में मुलाकात के बाद, केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बताया कि रेल मंत्री ने स्पष्ट किया है कि संबंधित राज्य सरकारों को जमीन अधिग्रहण का कोई अनुरोध नहीं भेजा गया है।

रेड्डी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, 'रेल मंत्री ने साफ किया है कि संबंधित राज्य सरकारों को जमीन अधिग्रहण का कोई अनुरोध नहीं भेजा गया है और इस चरण में हाई-स्पीड रेल के नाम पर जमीन का कोई भी अधिग्रहण गैर-कानूनी है।' उन्होंने कहा कि तीनों कॉरिडोर के लिए अलाइनमेंट स्टडी अभी चल रही है और अलाइनमेंट तय हो जाने के बाद, संबंधित राज्य सरकारों और किसानों के साथ



जानकारी साझा की जाएगी। यह स्पष्टीकरण ऐसे समय पर आया है जब तेलंगाना सरकार रेल कॉरिडोर और अन्य प्रोजेक्ट्स के लिए जमीन अधिग्रहण की कोशिश कर रही है, जिसका हैदराबाद के बाहरी इलाकों में किसान विरोध कर रहे हैं। इसके अलावा, साउथ सेंट्रल रेलवे ने पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यही वीडियो पोस्ट किया था। इसमें कहा गया था कि वैष्णव ने रेड्डी के साथ हैदराबाद को चेन्नई, बेंगलुरु और पुणे से जोड़ने वाली हाई-स्पीड रेल कनेक्टिविटी के प्रस्तावित रूट के बारे में विस्तार से चर्चा की। इससे पहले अगस्त में, सरकार ने बताया था कि भारतीय रेलवे ने जुलाई तक 1.14 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कैपिटल खर्च किया है, जो 2026-27 के लिए बजट में तय रकम का लगभग 39 प्रतिशत है। लोकसभा में एक लिखित जवाब में, वैष्णव ने बताया कि केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए तय 2,93,030 करोड़ रुपये के बजट में से 1,14,973 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। मंत्री ने कहा कि सुरक्षा से जुड़े कार्यों पर खर्च लगातार बढ़ा है, यह 2013-14 में 39,200 करोड़ रुपये से बढ़कर 2026-27 में 1,20,389 करोड़ रुपये हो गया है।

स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेशन (एटीपी) सिस्टम 'कवच' के बारे में मंत्री ने बताया कि 31 जुलाई तक 2,633 रुट किलोमीटर पर इसका वर्शन 4.0 लागू किया जा चुका है।

सीईसी के इस्तीफे की मांग करना सही नहीं : वैकैया नायडू

जेएनयू यौन उत्पीड़न मामले पर भाजपा का देशव्यापी प्रदर्शन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वैकैया नायडू ने शनिवार को कुछ राजनीतिक दलों की ओर से चुनाव आयोग की छवि खराब करने की कोशिशों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऐसी हरकतें न तो देश के हित में हैं और न ही लोकतंत्र की सेहत के लिए अच्छी हैं।

उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब सीजेपी की ओर से शनिवार को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध



प्रदर्शन का दौर जारी है। इस विरोध प्रदर्शन का मकसद वोटर लिस्ट के 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (एसआईआर) के दौरान वोटरों के नाम हटाने और कथित 'वोट चोरी' के आरोपों को उठाना भी है।

वैकैया नायडू ने कहा, 'मुझे लगता है कि जिस तरह से कुछ लोग चुनाव आयोग की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, वह ठीक नहीं है और न ही यह देश या लोकतंत्र के हित में है। चुनाव आयोग एक वैधानिक संस्था है। चुनाव आयुक्त पर महाभियोग चलाने के जो भी तरीके और साधन हैं लेकिन उन पर आरोप लगाना, उन्हें बुरा-भला कहना, उनके नाम को विवादों में घसीटना और फिर सार्वजनिक रैलियों के जरिए उनके

विश्व केसरी

नई दिल्ली। जेएनयू में यौन उत्पीड़न से जुड़े मामले में कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा ने देशभर में विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा नेता तुहिन सिन्हा ने इस मामले पर कांग्रेस नेतृत्व की प्रतिक्रिया को लेकर राहुल गांधी से सवाल किया और पूछा कि वे अपनी चुप्पी कब तोड़ेंगे।

भाजपा नेता तुहिन सिन्हा ने कहा कि मणिपुर से कांग्रेस के लोकसभा सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजाम का नाम जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से जुड़े यौन उत्पीड़न के मामले में सामने आया है। उन्होंने दावा किया कि छात्राओं की शिकायतों के बाद संबंधित मामले में कार्रवाई की गई



और सांसद को विश्वविद्यालय से बर्खास्त किया गया। तुहिन सिन्हा ने आरोप लगाया कि इस मामले पर कांग्रेस नेतृत्व की ओर से सार्वजनिक रूप से निंदा या कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। उन्होंने राहुल गांधी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी को इस मामले में अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। राहुल गांधी से पूछा कि आखिर कब

तक इस मुद्दे पर चुप्पी बनी रहेगी। भाजपा नेता ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्ढा के हालिया विरोध प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए भी कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधा। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस सांसद के खिलाफ लगे आरोपों के मामले में पार्टी स्पष्ट जवाब दे और उचित कार्रवाई करे। कांग्रेस सांसद पार्टी से निष्कासित करने की मांग भी की। बिहार भाजपा चीफ संजय

सरावगी ने कहा कि जेएनयू में छात्राओं से अंकों के बदले यौन शोषण के प्रयास के गंभीर आरोपों के बीच कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल एकोइजाम को प्रोफेसर पर से बर्खास्त किए जाने का मामला सवाल खड़े करता है। हर मुद्दे पर महिला अधिकारों की बात करने वाले राहुल गांधी और प्रियंका गांधी अब मौन क्यों हैं? राहुल गांधी, महिला सम्मान सिर्फ दूसरों को नसीहत देने के लिए है या अपनी पार्टी पर भी लागू होता है? राजस्थान में महिला मोर्चा ने जयपुर स्थित कांग्रेस प्रदेश कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन कर कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम पर जेएनयू की छात्राओं के उत्पीड़न के आरोपों के विरोध में अपना आक्रोश व्यक्त किया।

वकीलों की हिरासत पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने जताई चिंता, चीफ जस्टिस से की हस्तक्षेप की मांग

शरजील इमाम ने अंतरिम जमानत के दौरान तोड़ी शर्त : कोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने प्रदर्शन कर रहे वकीलों को हिरासत में लिए जाने के मामले में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआइ) सुप्रीम कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। एसोसिएशन ने शनिवार को एक प्रस्ताव पास कर प्रदर्शन कर रहे वकीलों के खिलाफ अधिकारियों द्वारा जबरूरत से ज्यादा बल प्रयोग किए जाने की भी आलोचना की है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने प्रस्ताव पारित कर कहा है कि सुप्रीम कोर्ट परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे वकीलों और अपने चैंबरों के अंदर मौजूद वकीलों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया था, जिसके बाद सीजेआई से तुरंत हस्तक्षेप की अपील की गई है।



एसोसिएशन ने अपने प्रस्ताव में कहा, 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन आज सुप्रीम कोर्ट क्षेत्र में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे सैनियर और युवा वकीलों, विशेष रूप से महिला वकीलों के खिलाफ अत्यधिक बल प्रयोग और हिरासत में लिए जाने की खबरों पर गंभीर चिंता व्यक्त करता है और इसकी निंदा करता है।' सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने बताया कि उसे जानकारी मिली है कि कई वकीलों को हिरासत में लिया गया है। प्रस्ताव में कहा गया, 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन भारत के मुख्य न्यायाधीश से तत्काल हस्तक्षेप करने और संबंधित अधिकारियों के साथ इस मामले को उठाने का अनुरोध करने का संकल्प लेता है, ताकि प्रत्येक हिरासत में लिए गए वकील के ठिकाने और सुरक्षा का पता लगाया जा सके।

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कड़कड़ूमा अदालत ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगा साजिश मामले के आरोपी शरजील इमाम की अंतरिम जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया है। हालांकि, अदालत ने अपने आदेश में माना कि शरजील इमाम ने मीडिया से बात नहीं करने की जमानत शर्त का उल्लंघन किया था।

अदालत ने कहा कि अंतरिम जमानत की शर्तों का उल्लंघन हुआ है, लेकिन जमानत रद्द करने का आदेश देने का कोई व्यावहारिक औचित्य नहीं है क्योंकि सात दिन की अंतरिम जमानत की अवधि शनिवार को समाप्त हो रही है और शरजील इमाम को वैसे भी उसी दिन सरेंजर करना है।

शरजील इमाम को अपने चचेरे भाई की शादी में शामिल होने के लिए 4 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक अंतरिम जमानत दी गई थी। जमानत देते समय अदालत ने कई शर्तें लगाई थीं,



जिनमें मीडिया से बातचीत नहीं करने की भी शर्त शामिल थी। कड़कड़ूमा कोर्ट ने अपने आदेश में माना कि इमाम ने मीडिया से बातचीत कर अंतरिम जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया। इसके बावजूद अदालत ने जमानत रद्द करने की मांग स्वीकार नहीं की और कहा कि

मणिपुर के सीएम ने पीएम मोदी से की मुलाकात, राज्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की

आम्रपाली गुप केस में ईडी की कार्रवाई, 54.71 करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच

विश्व केसरी

नई दिल्ली/इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और राज्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री से मिलने के बाद मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से मिलना सम्मान की बात थी। उनका दूरदर्शी नेतृत्व 'विकसित भारत' के हिस्से के तौर पर एक शांतिपूर्ण, समृद्ध और विकसित मणिपुर बनाने के हमारे संकल्प को प्रेरित करता रहता है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री 10 अक्टूबर से राष्ट्रीय राजधानी में हैं और उन्होंने केंद्रीय गृह



मंत्री अमित शाह, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया के साथ अलग-अलग बैठकें कीं और राज्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

केंद्रीय गृह मंत्री और अन्य दो केंद्रीय मंत्रियों ने मुख्यमंत्री से कहा कि वे जल्द ही मणिपुर का दौरा करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को मुख्यमंत्री खेमचंद

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आम्रपाली गुप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। लखनऊ जोनल ऑफिस ने दिल्ली के महारानी बाग में 54.71 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति को अटैच किया है।

यह प्रॉपर्टी मेसर्स सुरभि एडवरटाइजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर रजिस्टर्ड है। इसे प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के तहत अटैच किया गया है। अटैच की गई प्रॉपर्टी का नंबर ए-3 (नया), महारानी बाग, नई दिल्ली है। ईडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर इस कार्रवाई



को जानकारी दी है। ईडी की जांच यूपी पुलिस और दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा दर्ज की गई 18 एफआईआरों के आधार पर शुरू हुई थी। ये एफआईआर आम्रपाली गुप की कंपनियों और उसके डायरेक्टर्स/प्रमोटरों के खिलाफ अलग-अलग धाराओं के तहत दर्ज की गई थीं। आरोप है कि आम्रपाली गुप ने

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कई हाउसिंग प्रोजेक्ट लॉन्च किए और होमबायर्स से 36 महीने के अंदर फ्लैट देने और पक्का रिटर्न का वादा कर बड़ी रकम इकट्ठा की। हालांकि प्रोजेक्ट अधूरे रह गए और होमबायर्स को न तो फ्लैट मिला और न ही पैसा वापस किया गया। इस मामले में हुई फॉरेंसिक ऑडिट में पाया गया कि 5,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की होमबायर्स की रकम को आम्रपाली गुप ने डायवर्ट कर दिया था।

जांच में सामने आया कि होमबायर्स के पैसों को शेल और गुप कंपनियों में डायवर्ट किया गया और डायरेक्टर्स ने प्रोफेशनल फीस के नाम पर उसे निकाल लिया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा, गौतम बुद्ध नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगताराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित

समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी)। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा)। मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415